3 कर्मचारी राज्य बीमा निगम अपनी स्थापना के 71वें...
5 हरियाणा सीएम का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाने वाले...
7 Tips to soothe your scalp This Summer

राष्ट्रीय सरोकारों से परिपूर्ण समाचार पत्र

मासिक समाचार पत्र

# अतुल्य लोकतंत्र

Postal REGN. : L-2/Faridabad/330/2022-24

Email : atulyaloktantra09@gmail.com

वर्ष : 08 | अंक : 01 | फरीदाबाद, मार्च , 2023 | संपादक : दीपक कुमार शर्मा | RNI NO. HARBIL/2016/74676 | Mob.: 9899222656, 857791656 | मूल्य : 15 रुपए | पृष्ठ : 8

# एकता का पर्व होली !

## क्या आप जानते हैं होली के त्योहार का इतिहास और महत्व

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

होली का त्योहार मुख्य रूप से रंगों का त्योहार होता है और इस दिन का हिंदू धर्म में विशेष महत्त्व है। होली दो दिनों तक मनाई जाती है जिसमें पहले दिन होलिका दहन होता है जिसे छोटी होली भी कहा जाता है और दूसरे दिन रंगों का त्योहार होता है जिसमें लोग मिल जुलकर रंग खेलते हैं और खुशियां मनाते हैं। पानी के गुब्बारों और पिचकारी से बहुत पहले से ही होली खेलने का चलन चला आ रहा है। बहुत पहले होली केवल हिन्दू धर्म का त्योहार था लेकिन अब ये दुनिया भर में एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। कई ऐसी कहानियां हैं जो होली की उत्पत्ति से पहले की हैं और पौराणिक कथाओं में उन कहानियों का वर्णन करती हैं जो मानव जाति को और अधिक रंगीन बनाने की बात करती हैं। भारत के सबसे प्राचीन त्योहारों में से एक, होली को "होलिका" के नाम से भी जाना जाता था। आइए ध्यान आश्रम के योगी अश्वनी जी से जानें होली के इतिहास और इसके महत्व के बारे में।

**● होली का इतिहास**

होली वह दिन होता है जब होलिका, जिसे अग्नि में अखंड रहने का वरदान प्राप्त था उन्होंने प्रह्लाद को अपनी गोद में बैठाकर अग्नि में प्रवेश किया था। उस समय भगवान विष्णु प्रह्लाद की सहायता के लिए आए और परिणामस्वरूप, होलिका अग्नि में जल गई, जबकि प्रह्लाद को कोई नुकसान नहीं हुआ। योगी अश्विनी जी बताते हैं कि पुराणों की कहानियां एक आम आदमी के लिए पौराणिक कथाएं प्रतीत होती हैं क्योंकि उनमें वर्णित घटनाएं अक्सर उन चीजों का उल्लेख करती हैं जो अलौकिक या असली लगती हैं, उदाहरण के लिए, आग में बेदाग रहने की शक्ति या विष्णु नामक ऊर्जा का आह्वान। पुराण वास्तव में हमारे पूर्वजों के साथ घटित वास्तविक घटनाओं का इतिहास होते हैं, जिन्होंने कई हजार साल पहले धरती पर निवास किया था। इसलिए होली का इतिहास भी पुराणों से जुड़ा हुआ है।

**● होलिका दहन की पौराणिक कथा**

होलिका दहन की कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक राजा थे जिनका नाम हिरण्यकश्यप था। उनका बेटा प्रहलाद भगवान विष्णु का परम भक्त था और विष्णु जी की भक्ति में लीन रहता था। हिरण्यकश्यप को यह बात पसंद न थी इसलिए उन्होंने प्रह्लाद को कई तरीकों से मारने का प्रयास भी किया। अंततः उन्होंने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को लेकर अग्नि में प्रवेश कर जाए जिसके परिणामस्वरूप होलिका जल कर मर गईं और भक्त प्रह्लाद बच गए। जिसके पश्चात हिरण्यकश्यप की क्रूरता को समाप्त करने हेतु भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार लिया और हिरण्यकश्यप को समाप्त कर दिया। तभी से होलिका दहन का प्रचलन शुरू हुआ और होलिका की अग्नि में बुराइयों के समाप्त होने के बाद खुशियां मनाने के लिए अगले दिन रंग खेलने की प्रथा शुरू हुई।

**● होली का महत्व**

होली का त्योहार मुख्य रूप से वसंत ऋतु यानी कि वसंत की फसल के समय मनाया जाता है जो सर्दियों के अंत का प्रतीक भी माना होता है और हिंदू कैलेंडर के फाल्गुन महीने में मनाई जाती है। यह उत्सव फाल्गुन पूर्णिमा तिथि (जानें कब से शुरू हो रहा है होलाष्टक) की शाम से ही शुरू हो जाता है और दो दिन तक मनाया जाता है। होली रंगों का तथा हंसी - खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो अब विश्वभर में मनाया जाने लगा है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। लोग इस दिन एक अग्नि जलाते हैं और भगवान विष्णु के लिए भक्त प्रहलाद की भक्ति की विजय का जश्न मनाते हैं। इस दिन लोग होलिका की पूजा भी करते हैं क्योंकि हिंदू पौराणिक कथाओं में यह माना जाता है कि होलिका पूजा सभी के घर में समृद्धि और धन लाती है। लोगों का मानना है कि होलिका पूजा करने के बाद वे सभी प्रकार के भय पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। होलिका दहन के अगले दिन को धुलेंडी कहा जाता है जिसमें अबीर-गुलाल इत्यादि डाला जाता है और दूसरों से सौहार्द्र जताया जाता है।

**● होली का सांस्कृतिक महत्व**

होली से जुड़े विभिन्न किंवदंतियों का उत्सव लोगों को सच्चाई की शक्ति के बारे में आश्वस्त करता है क्योंकि इन सभी किंवदंतियों का नैतिक बुराई पर अच्छाई की अंतिम जीत है। हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद की कथा भी इस तथ्य की ओर इशारा करती है कि भगवान की अत्यधिक भक्ति भुगतान करती है क्योंकि भगवान हमेशा अपने सच्चे भक्त को अपनी शरण में लेते हैं। ये सभी लोगों को अपने जीवन में एक अच्छे आचरण का पालन करने और सच्चे होने के गुण में विश्वास करने में मदद करती हैं। होली लोगों को सच्चे और ईमानदार होने के गुण में विश्वास करने और बुराई से लड़ने में मदद करती है। इसके अलावा, होली साल के ऐसे समय में मनाई जाती है जब खेत पूरी तरह खिल जाते हैं और लोग अच्छी फसल की उम्मीद करते हैं। यह लोगों को होली की भावना में आनंदित होने, आनंद लेने और खुद को डूबने का एक अच्छा कारण देता है।

**● सामाजिक महत्व**

होली समाज को एक साथ लाने और एक दूसरे के बीच ताने-बाने को मजबूत करने में मदद करती है। क्योंकि, यह त्योहार हिंदुओं के अलावा अन्य धर्मों में भी मनाया जाता है। होली की परंपरा यह है कि होली पर शत्रु भी मित्र बन जाते हैं और आपसी किसी भी लड़ाई को भूल जाते हैं। इस दिन लोग अमीर और गरीब के बीच भी अंतर नहीं करते हैं और सभी लोग मिलनसार और भाईचारे की भावना के साथ इस त्योहार को मनाते हैं। वास्तव में यह होली का त्योहार हम सभी के बीच बहुत ज्यादा मायने रखता है और आपसी प्रेम और बुराई पर अच्छाई का प्रतीक माना जाता है।

अंग्रेजों पर भड़के आरएसएस प्रमुख मोहन भागवतः बोले-

## ब्रिटिश शासन से पहले देश के 70प्रतिशत लोग शिक्षित थे, वे हमारा मॉडल अपने देश ले गए

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** हरियाणा के करनाल में पहुंचे आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि ब्रिटिश शासन से पहले भारत की 70 फीसदी आबादी शिक्षित थी। उस समय देश में कोई बेरोजगारी नहीं थी और उसी शिक्षा के बलबूते पर सब लोग अपनी आजीविका का रास्ता खोज लेते थे। मोहन भागवत ने कहा कि जब अंग्रेज भारत में आए तो उन्होंने हमारे देश के शिक्षा के मॉडल को कबाड़ खाने में डाल दिया। यानी हमारे शिक्षा मॉडल को वो अपने देश में ले गए। जबकि अपने देश के मॉडल को अंग्रेजों ने भारत में लागू कर दिया। इससे हुआ ये कि भारत का शिक्षा मॉडल इंग्लैंड में लागू होने के बाद वहां की 70 प्रतिशत आबादी शिक्षित हो गई और उनके शिक्षा मॉडल से हमारे देश में केवल 17 प्रतिशत लोग ही शिक्षित रह गए। मोहन भागवत ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली न केवल रोजगार के लिए थी बल्कि ज्ञान का माध्यम भी थी। शिक्षा सस्ती और सभी के लिए सुलभ थी। इसलिए शिक्षा का सारा खर्च समाज ने उठाया और इस शिक्षा से निकले विद्वानों, कलाकारों और कारीगरों को पूरी दुनिया में पहचान मिली। भागवत ने आगे अपने संबोधन में कहा कि यह इतिहास का सत्य है। हमारे यहां पर शिक्षक सबको सिखाता था, उसमें वर्ग व जाति का भेद नहीं होता। आदमी अपना जीवन अपने बलबूते जी सके यहां तक ही शिक्षा सबको मिलती थी। गांव में जाकर शिक्षक सिखाता था। वह इसलिए नहीं सिखाता था कि उसको अपना पेट पालना था, वो इसलिए सिखाता था कि शिक्षा देना उसका काम है, उसका कर्तव्य है। सिखाना उसका धर्म है और गांव उसकी आजीविका की चिंता करता था। कुछ इस तरह था हमारा पुराना शिक्षा का मॉडल।

## राबड़ी से घर पर सीबीआई ने 4 घंटे पूछताछ की

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में सीबीआई की टीम सोमवार सुबह से लालू यादव की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पहुंची। करीब 4 घंटे तक तक सीबीआई के अफसर आवास पर रहे। राबड़ी देवी से पूछताछ के बाद टीम आवास से निकल गई। इसके बाद राबड़ी देवी विधान परिषद की कार्यवाही में शामिल होने पहुंचीं। छोटे बेटे और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव आए और उन्हें ले गए। सीबीआई की पूछताछ के सवाल पर राबड़ी देवी ने कहा कि कुछ नहीं हुआ है। ये सब चलते रहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 12 अफसरों की टीम 2 से 3 गाड़ियों में उनके पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड आवास पर पहुंची थी। इसके विरोध में आरजेडी नेता और कार्यकर्ता आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। इसे देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लैंड फॉर जॉब स्कैम में सीबीआई की चार्जशीट पर कोर्ट ने समन जारी किया है। उइकने चार्जशीट में लालू प्रसाद के अलावा राबड़ी देवी और 14 अन्य को आरोपी बनाया है। 15 मार्च को कोर्ट में राबड़ी, लालू और मीसा को पेश होने के आदेश दिए गए हैं। सुबह जब टीम राबड़ी के घर पहुंची तो उस वक्त बेटे तेज प्रताप और तेजस्वी यादव भी मौजूद थे, लेकिन बाद में वे विधानसभा के लिए निकल गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीबीआई ने राबड़ी देवी से पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। पहले ये पूछताछ सीबीआई दफ्तर में होनी थी, लेकिन बाद में उन्हें राहत देते हुए उनके घर पर करने के लिए तैयार हो गई।

# चीनी मकड़जाल में फंसा दक्षिण एशिया

● भारत के पड़ोस में श्रीलंका और पाकिस्तान, साम्राज्यवादी चीन की कुत्सित मानसिकता का नवीनतम शिकार है। यह ठीक है कि पाकिस्तान काफी हद तक अपने कुकर्मों के कारण संकटमयी स्थिति से गुजर रहा है, जहां पेट भरने के लिए रोटी की भारी किल्लत है, चायपत्ती का अकाल है, खाद्य-तेल की कमी है, तो बिजली का गहरा संकट है। इस प्रकार की अनियंत्रित स्थिति से बचने हेतु पाकिस्तान को एक बार पुनः उसके मित्र चीन से 70 करोड़ डॉलर का नया कर्ज मिला है। ऊपरी तौर पर लगता है, मानो चीन ने अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान को बचाया हो, किंतु ऐसा नहीं है।

चीन को किसी प्रचलित भाषा या संज्ञा से नहीं बांधा जा सकता। उसकी राजनीति में जहां हिंसक मार्क्सवाद है, तो आर्थिकी निकृष्ट पूंजीवाद पर आधारित है, जहां अमानवीय और उत्पीड़न युक्त साम्राज्यवाद का बीभत्स रूप दिखता है। इसी विषाक्त कॉकटेल रूपी चिंतन से वह अपनी अति-महत्वकांशी और खरबों डॉलर की वन बेल्ट वन रोड (ओबीओआर) परियोजना से पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश सहित 130 से अधिक देशों की संप्रभुता और आर्थिक संरचना को अपने एजेंडे की पूर्ति हेतु प्रभावित कर रहा है। मानव सभ्यता चाहे कितना भी विकास कर लें, उसमें व्याप्त राक्षसी प्रवृतियां आज भी जस की तस है। कमजोर राष्ट्रों को पहले भी शक्तिशाली सेना और हथियारों के बल पर रौंदा गया है और अब भी ऐसा होता है। उद्देश्य वही है, केवल उसका स्वरूप बदल गया है। अब देशों को गुलाम बनाने या उनपर अपना प्रभुत्व जमाने के लिए सैन्यबल से अधिक आर्थिक प्रपंचों का सहारा लिया जाता है। वर्तमान समय में ऐसे शोषण का मूर्त प्रतीक चीन के रूप में उभरा है। आज जहरीले सर्प रूपी चीन का काटा, पानी मांगने की स्थिति में भी नहीं रहता है। भारत के पड़ोस में श्रीलंका और पाकिस्तान, साम्राज्यवादी चीन की कुत्सित मानसिकता का नवीनतम शिकार है। यह ठीक है कि पाकिस्तान काफी हद तक अपने कुकर्मों के कारण संकटमयी स्थिति से गुजर रहा है, जहां पेट भरने के लिए रोटी की भारी किल्लत है, चायपत्ती का अकाल है, खाद्य-तेल की कमी है, तो बिजली का गहरा संकट है। इस प्रकार की अनियंत्रित स्थिति से बचने हेतु पाकिस्तान को एक बार पुनः उसके मित्र चीन से 70 करोड़ डॉलर का नया कर्ज मिला है। ऊपरी तौर पर लगता है, मानो चीन ने अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान को बचाया हो, किंतु ऐसा नहीं है। वास्तव में, चीन इसके माध्यम से पाकिस्तान को अपने कर्ज के दलदल में और फंसाता जा रहा है। पाकिस्तानी स्टेट बैंक के अनुसार, इस इस्लामी राष्ट्र पर जो चीनी कर्ज वर्ष 2017 में 7।2 अरब डॉलर था, वह अप्रैल 2018 में 19 अरब डॉलर, तो 2020 में 30 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। वर्तमान में यह लगभग 30 अरब डॉलर है। एक अनुमान के अनुसार, पाकिस्तान को चीनी ऋण चुकाने में 40 वर्ष लग सकते है। अभी इस इस्लामी देश पर कुल देनदारी और कर्ज, उसके कुल सकल घरेलू उत्पाद का 70 प्रतिशत है और इसमें लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा अकेले चीन का है। इसके लिए चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना को मिल रहा ब्याजयुक्त चीनी निवेश मुख्य रूप से जिम्मेदार है। पाकिस्तान से पहले श्रीलंका दिवालिया हो चुका है, जिसमें उसकी विवेकहीन आंतरिक नीतियों के साथ चीनी कर्ज ने बड़ी भूमिका निभाई है। इस द्वीपीय देश को संकट से उबारने हेतु

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अन्य ऋणदाताओं से 10 वर्षीय ऋण अधिस्थगन और 15 वर्षीय ऋण पुनर्गठन का आश्वासन मिलने पर 2।9 अरब डॉलर की आर्थिक सहायता का प्रस्ताव रखा है। इसमें श्रीलंका के प्रमुख कर्जदाता चीन को छोड़कर, भारत सहित अन्य संप्रभु लेनदारों ने आईएमएफ को संतोषजनक आश्वासन दिया है। आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया? सच तो यह है कि चीन अपने कर्ज की अदायगी नहीं होने पर श्रीलंका में भौतिक संपत्ति (अपने निवेश से हुए निर्माण सहित) को कब्जाना चाहता है, जैसे उसने वर्ष 2017 में हंबनटोटा बंदरगाह के साथ किया था। तब श्रीलंका ने कर्ज नहीं चुका पाने पर चीन को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हंबनटोटा बंदरगाह 99 सालों के पट्टे पर दे दिया था। इस तरह चीन, अब छह अन्य श्रीलंकाई परियोजनाओं पर नजरें गड़ाए बैठा है, जहां वह भविष्य में हिस्सेदारी या अधिक नियंत्रण या फिर दोनों की मांग कर सकता है। हंबनटोटा ऑयल रिफाइनरी, कोलंबो स्थित फ्लोटिंग एलएनजी प्लांट, चीन द्वारा निर्मित कोलंबो पोर्ट सिटी आदि पर चीन की गिद्धदृष्टि है। अगस्त 2022 को जारी फोर्ब्स रिपोर्ट के अनुसार, चीन का सबसे अधिक विदेशी कर्ज पाकिस्तान-श्रीलंका के साथ अंगोला, इथोपिया, केन्या, जांबिया और कांगो आदि अफ्रीकी देशों पर है। दावा किया जाता है कि अफ्रीका महाद्वीप पर चीनी ऋण का उपयोग नागरिकों के लिए आधारभूत संरचना को विकसित करने में किया जा रहा है। किंतु साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, 2000 से 2020 के बीच चीन ने सैन्य खर्चों हेतु आठ अफ्रीकी देशों के साथ 3.5 बिलियन डॉलर (271 अरब रुपये) के 27 कर्ज सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें से अधिकतर पैसा सैन्य विमान, उपकरण, प्रशिक्षण और सेना-पुलिस के लिए आवासीय इकाइयों के विकास में खर्च हुआ। आर्थिक रूप से कमजोर इन देशों के दिवालिया होने पर इन्हीं सामरिक क्षेत्रों पर चीन का आधिपत्य होने का खतरा है। वास्तव में, चीन को किसी प्रचलित भाषा या संज्ञा से नहीं बांधा जा सकता। उसकी राजनीति में जहां हिंसक मार्क्सवाद है, तो आर्थिकी निकृष्ट पूंजीवाद पर आधारित है, जहां अमानवीय और उत्पीड़न युक्त साम्राज्यवाद का बीभत्स रूप दिखता है। इसी विषाक्त कॉकटेल रूपी चिंतन से वह अपनी अति-महत्वकांशी और खरबों डॉलर की वन बेल्ट वन रोड (ओबीओआर) परियोजना से पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश सहित 130 से अधिक देशों की संप्रभुता और आर्थिक संरचना को अपने एजेंडे की पूर्ति हेतु प्रभावित कर रहा है। 6 मार्च 2018 को अमेरिका के तत्कालीन विदेश मंत्री रेक्स टिलर्सन ने कहा था, चीन कई देशों को अपने ऊपर निर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। वो जिन अनुबंधों को प्राप्त कर रहा है, वो पूरी तरह से अपारदर्शी हैं। नियम और शर्तों को लेकर स्पष्टता नहीं है। बेहिसाब कर्ज देने से उन देशों की आत्मनिर्भता खत्म होगी। बीते कई वर्षों में कुछ देश, चीन की बदनीयत को भांपकर उसके साथ किए समझौते को या तो निरस्त कर रहे है या फिर उसकी समीक्षा। उदाहरणस्वरूप, मलेशिया ने वर्ष 2018 में ओबीओआर के अंतर्गत, 20 अरब डॉलर की लागत से बन रहे ईस्ट-कोस्ट रेलमार्ग परियोजना को यह कहकर निलंबित कर दिया कि वह चीनी कर्ज का बोझ नहीं सह सकता। इस पृष्ठभूमि में भारत की स्थिति क्या है? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गत दिनों ही भारत सरकार ने चीन संबंधित कर्ज और सट्टेबाजी वाले लगभग सवा दो सौ मोबाइल एप्स को प्रतिबंधित किया है। यह कार्रवाई स्वागतयोग्य है। किंतु इस पृष्ठभूमि में भारत-चीन के बीच व्यापार घाटा पहली बार 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार गया है। अनुमान लगाना कठिन नहीं कि भारत से व्यापार करते हुए चीन जो प्रतिवर्ष लाखों करोड़ रुपयों का शुद्ध लाभ कमाता है, उसका प्रत्यक्ष-परोक्ष उपयोग वह अपनी भारत विरोधी नीतियों (पाकिस्तान को कर्ज देने सहित) में ही करता है।

## संपादकीय

# सहमति-असहमति

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद जी-20 देशों के बीच परस्पर रिश्ते बदलने शुरू हो गए थे। पिछले साल बाली में हुए इसके शिखर सम्मेलन में भी पश्चिमी देशों के विदेश मंत्रियों ने रूस की खुल कर आलोचना की थी। वह विरोध का स्वर अभी बना हुआ है। यही कारण है कि इस बार भारत में हुए विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भी अमेरिका सहित पश्चिमी दुनिया के देशों और रूस-चीन के बीच विभाजन उभरा। भारत ने उनके बीच समन्वय बनाने का प्रयास किया, मगर उसमें सफलता नहीं मिल सकी। नतीजतन, जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों के इस सम्मेलन में साझा बयान जारी नहीं हो सका। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को चलते एक साल से अधिक समय हो गया। इस बीच दोनों देशों में से कोई भी किसी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिखा। फिर अब तक जो जापान, कनाडा, आस्ट्रेलिया, फ्रांस आदि पश्चिमी देश तटस्थ बने हुए थे, वे अब खुल कर यूक्रेन के समर्थन में खड़े हो गए हैं। अमेरिका की अगुआई में उनका एक गुट सक्रिय हो गया है। उधर रूस के समर्थन में चीन खड़ा है। इस तरह दुनिया दो ध्रुवों में बंटती दिखने लगी है। हालांकि भारत समेत बाकी देश अब भी रूस और यूक्रेन में शांति बहाली के पक्षधर हैं। चूंकि इस साल जी-20 समूह की अध्यक्षता भारत कर रहा है, इसलिए उसकी तरफ सारी दुनिया देख रही है कि वह इस तनातनी को किस तरह सुलझाने का प्रयास करता है। हालांकि भारत शुरू से दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बातचीत करके युद्ध रोकने का प्रयास करता आया है, मगर उसका कोई असर नहीं दिखा। अब अमेरिका के खुल कर रूस के विरोध में उतर आने के बाद तनाव और बढ़ता गया है। रूस ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसने दुनिया के तमाम देशों को सस्ते ऊर्जा स्रोतों को छोड़ने पर बाध्य किया। उधर अमेरिका ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने दुनिया में खाद्य असुरक्षा पैदा की है। जी-20 समूह का गठन इसी मकसद से किया गया था कि ये देश आपस में मिल कर जलवायु परिवर्तन, नौकरियों और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों, असमानता, कृषि, प्रवास, भ्रष्टाचार, आतंकवाद के वित्तपोषण, मादक पदार्थों की तस्करी, खाद्य सुरक्षा और पोषण, विघटनकारी प्रौद्योगिकियों जैसे मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करेंगे। मगर पिछले एक साल से जिस तरह रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर इन देशों में मतभेद नजर आने लगा है, उसमें इस साल का शिखर सम्मेलन भी इसी पर केंद्रित होता नजर आ रहा है। भारत को इस बार के जी-20 शिखर सम्मेलन से बहुत सारी उम्मीदें हैं। इसे लेकर देश भर में करीब पचास बैठकें आयोजित की जाने वाली हैं और उनमें विभिन्न मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश की जा रही है, मगर विदेश मंत्रियों की बैठक में जिस तरह मतभेद उभरे, उससे कुछ आशंकाएं स्वाभाविक हैं।

**दीपक कुमार शर्मा**

# नदियों की बिगड़ती सेहत

राजस्थान के कोटा शहर को चंबल नदी का वरदान कहा जा सकता है। इन दिनों कोटा में चंबल के किनारे ह्यरिवर फ्रंटह्न बन रहा है। जबसे लोगों की जरूरत का पानी नलों के माध्यम से घरों तक पहुंचने लगा है, अधिकांश नदियों के घाटों का आमजन से नाता टूट गया है और नदियों के प्राचीन घाट उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। जिन घाटों के किनारे प्रसिद्ध तीर्थ हैं, वे अवश्य लोगों की जरूरत का हिस्सा बने हुए हैं और इसलिए जिम्मेदार एजंसियां उनके रखरखाव की ओर ध्यान देती हैं। कोटा में चंबल के पुराने घाटों को ऐसा सुख हासिल नहीं था। बहरहाल, करीब डेढ़ हजार करोड़ रुपए की लागत से बन रहे ह्यचंबल रिवर प्रोजेक्टह्न ने अब नदी किनारे की रौनक बढ़ा दी है। योजना के मुख्य वास्तुकार ने पिछले दिनों एक पत्रकार वार्ता में कहा कि डाकुओं के कारण चंबल की छवि बहुत खराब हो गई थी, वे इस छवि को सुधारना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक चंबल के बीहड़ दुर्दांत डाकुओं की आश्रय स्थली रहे हैं। बेशक चंबल के बीहड़ों में दुर्दांत दस्युओं की गतिविधियों ने इस नदी को भय और त्रासदी की अनेक कहानियों से जोड़ा है। एक कवि ने अपनी कविता में कहा भी है- ह्यमौत से टकराना इसकी शर्त पुरानी है/ सोच-समझ कर पीना, यह चंबल का पानी हैह्न लेकिन चंबल सिर्फ दस्युओं की गतिविधियों का स्मरण नहीं कराती। वह पौराणिक राजा रंतिदेव का भी स्मरण कराती है, जिन्हें प्राचीन वांग्मय में परम दानी और अत्यंत प्रतापी बताया गया है। महाकवि कालीदास ने तो अपने प्रसिद्ध ग्रंथ ह्यमेघदूतम्ह्न में चंबल को ह्यरंतिदेवस्य कीर्तिम्ह्न यानी राजा रंतिदेव की कीर्ति कह कर संबोधित किया है। वांग्मय में चर्मण्यवती यानी चंबल भले राजा रंतिदेव की कीर्ति की वाहक मानी गई हो, लेकिन लोक में तो चंबल डाकुओं की कर्मस्थली होने के लिए ही दुर्दांत है और इसीलिए प्रसिद्ध कवि नरेश मेहता जब अपनी एक कविता में इस बात पर दुख प्रकट करते हैं कि सब नदियों के नाम पर बेटियों के नाम रखे जाते हैं, लेकिन चंबल के नाम पर कोई अपनी बेटी का नाम क्यों नहीं रखता, तो फूलनदेवी से लेकर मोहरसिंह डाकू तक अनेक दस्युओं के किस्से कारण बनकर सामने आ खड़े होते हैं। मगर ऐसा भी नहीं है कि बीहड़ों का रिश्ता नदी के लिए सभी अर्थों में नुकसानदेह रहा हो। चंबल के किनारे के बीहड़ों में दस्युओं की गतिविधियों के कारण बीहड़ वाले इलाकों में कथित तौर पर सभ्य और संभ्रांत कहे जाने वाले समाज की बसावट नहीं हुई और इसका सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि सभ्यता के कथित सोपान बीहड़ वाले इलाकों में नदी के पानी को प्रदूषण की पीड़ा नहीं दे सके। महत्त्वपूर्ण है कि जिन-जिन नदियों के किनारे घनी आबादी की बसावट हुई है, उन नदियों का

प्रवाह आज प्रदूषण से उबरने को छटपटा रहा है। एक मान्यता है कि बहता जल कभी अशुद्ध नहीं होता। हमने नदियों के सहज प्रवाह को तो कई स्तरों पर बांध लिया, लेकिन उसमें अपशिष्ट पदार्थों को प्रवाहित करना बंद नहीं किया। यही कारण है कि जिस गंगा नदी के बारे में माना जाता है कि उसका स्पर्श तक मनुष्य के पापों को धो देता है, उसी पवित्र गंगा नदी का पानी कई स्थानों पर इतना प्रदूषित हो गया है कि उन स्थानों पर नदी के पानी का आचमन अनेक बीमारियों का कारक हो सकता है।

शोधकताओं ने पाया है कि गंगा और यमुना के किनारे की कई औद्योगिक इकाइयां उनमें रासायनिक अपशिष्ट मिलाकर पानी को जहरीला कर रही हैं। भारतीय पारंपरिक ज्योतिष की कुछ मान्यताएं कहती हैं कि जो व्यक्ति अपने घर की गंदगी किसी नदी में डालता है, वह मातृऋण का भागी होता है और उसका सारा परिवार इस कारण सुखी नहीं रह पाता। इन मान्यताओं के मूल में कोई और वैज्ञानिक तर्क हो या न हो, लेकिन ये मान्यताएं मनुष्य को नदियों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। बहरहाल, जब पानी में सामान्य गंदगी प्रवाहित करने का फल इतना बुरा माना जा सकता है, तो उन लोगों की पीढ़ियों के दुख के बारे में सोचा जा सकता है जो पानी में जहरीले रसायन मिला रहे हैं। नदियों के प्रवाह में हानिकारक रसायन प्रवाहित करना नहीं रोका गया तो किसी व्यक्ति विशेष की पीढ़ियां नहीं, सारा समाज इसका खमियाजा भुगतेगा। कुछ समय पहले एक रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ था कि कुछ दवा बनाने वाली कंपनियों के कारखानों के अपशिष्ट के कारण और कुछ शहरों में रह रहे लोगों द्वारा अनुपयोगी दवाइयां नदियों में फेंके जाने के कारण कई बड़े शहरों के किनारे स्थित नदी-जल में मधुमेह, रक्तचाप और गर्भ निरोध के काम में आने वाली दवाइयों के तत्त्व पानी में बुरी तरह घुले हुए हैं, जिसका इस्तेमाल किसी स्वस्थ आदमी को भी बीमार कर सकता है। आज भी हमारे यहां नदी जल को पवित्र और शुद्ध माना जाता है और जो लोग आज भी बिना किसी अतिरिक्त शोधन के उस पानी का इस्तेमाल करने को विवश हैं, वे अनजाने में ही वैसे ही हानिकारक रसायनों को उदरस्थ कर रहे हैं जैसे सड़क पर चलता एक पैदल व्यक्ति वाहनों के कारण हवा में घुलने वाले विषैले रासायनिक कणों को अपनी सांस के साथ ग्रहण करने पर विवश होता है। परीक्षण में पता चला है कि नदियों के पानी में मिलने वाला रासायनिक जहर लोगों के फेफड़ों, किडनी और हृदय पर प्रतिकूल असर डालने के साथ-साथ संपूर्ण स्नायु तंत्र को प्रभावित कर एक बड़ी आबादी को कई असाध्य रोग बांट रहा है। बीहड़ों की नकारात्मकता किसी भी नदी की शाश्वत पहचान नहीं हो सकती। मध्यप्रदेश के भिंड, मुरैना जिलों या राजस्थान के धौलपुर जिले के लिए चंबल के बीहड़ भले अपराधियों या समाज के सताए लोगों के आक्रोश को थामे हुए रहे, लेकिन चंबल नदी के लिए बीहड़ों की यह नकारात्मक छवि वरदान बनी रही। जैसे कोरोना काल में पूर्णबंदी के कारण देश की अधिकांश नदियों का पानी बहुत साफ हो गया था और वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बहुत कम हो गई थी। नदियों ने मानवजाति को दिल खोलकर अपना स्नेह दिया है। संसार की अधिकांश प्राचीन सभ्यताएं किसी न किसी नदी के किनारे या नदी घाटी में विकसित हुई हैं। इसका कारण यह है कि जल जीवन की बुनियादी जरूरत है और मानव सभ्यता की शुरूआत में मनुष्य के पास अपनी आवश्यकता का पारिस्थितिकी तंत्र निर्बाध रूप से सतत पाने का नदियों के अलावा कोई अन्य स्रोत नहीं था। मगर बदले में मानव ने नदियों को क्या दिया। पंचतंत्र की एक कहानी कहती है कि एक किसान के पास सोने का अंडा देने वाली मुर्गी थी। वह रोज सोने का एक अंडा देती थी। किसान रोज उसे बाजार में बेचता और अपनी जरूरत पूरी करता। किसान के बेटे ने एक दिन सोचा कि यह रोज-रोज अंडे का इंतजार करने से तो अच्छा है कि मुर्गी का पेट चीर कर सारे अंडे एक साथ निकाल लिए जाएं। उसने मुर्गी का पेट चीर दिया। मुर्गी मर गई। अंदर तो कोई खजाना था नहीं। किसान के बेटे के पास पछताने के अलावा कोई चारा नहीं था। कहीं हम नदियों के साथ भी वैसा ही व्यवहार तो नहीं कर रहे। हमारे पूर्वज नदियों के संरक्षण के महत्त्व को समझते थे। इसीलिए नदियों को पूज्य माना और ऐसी मान्यताओं को प्रसारित किया गया, जिनसे उन्हें प्रदूषित करते हुए आमजन डरें। मगर विकास के नाम पर हम नदियों को प्रदूषित करते रहे। फिर, नदियां कब तक हमें अपना प्रेम लुटा सकेंगी?

# हाथरस कांड : फैसले से पीड़िता के परिजनों में असंतोष

बलात्कार के मामलों में अक्सर उचित जांच और पर्याप्त सबूत न मिल पाने के कारण आरोपी मुक्त हो जाते हैं। विचित्र है कि उनमें से बहुत सारे मामलों में असली दोषी की पहचान नहीं हो पाती। हाथरस मामले में आए फैसले को लेकर भी पीड़िता के परिजनों में इसी के चलते असंतोष दिखाई दे रहा है। इस मामले में एक आरोपी को उम्रकैद की सजा और पचास हजार रुपए का जुर्माना लगा गया है। बाकी तीन आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया गया है। सजा पाए व्यक्ति को भी बलात्कार नहीं, बल्कि गैर-इरादतन हत्या और अनुसूचित जाति-जनजाति कानून के तहत दोषी पाया गया है। गौरतलब है कि करीब ढाई साल पहले हाथरस में अनुसूचित जाति की एक लड़की के साथ कथित रूप से सामूहिक बलात्कार करने के बाद उसे जान से मारने का प्रयास किया गया था। दिल्ली के एक अस्पताल में उसका इलाज चला, मगर उसे बचाया नहीं जा सका। उस मामले को लेकर लोगों में खासा आक्रोश दिखा था। लड़की की मौत के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने पीड़िता के परिवार की इजाजत के बगैर आधी रात को चुपके से उसका दाह संस्कार कर दिया था। जाहिर है, उसे लेकर देश भर में रोष पैदा हुआ था। सवाल उठा था कि आखिर पुलिस को यह अधिकार किसने दिया कि वह इस तरह दाह संस्कार करे। अब उस मामले में एक व्यक्ति को गैर-इरादतन हत्या का दोषी पाया गया है। यह तथ्य छिपा ही रह गया कि लड़की से बलात्कार का जो आरोप लगा था, उसमें

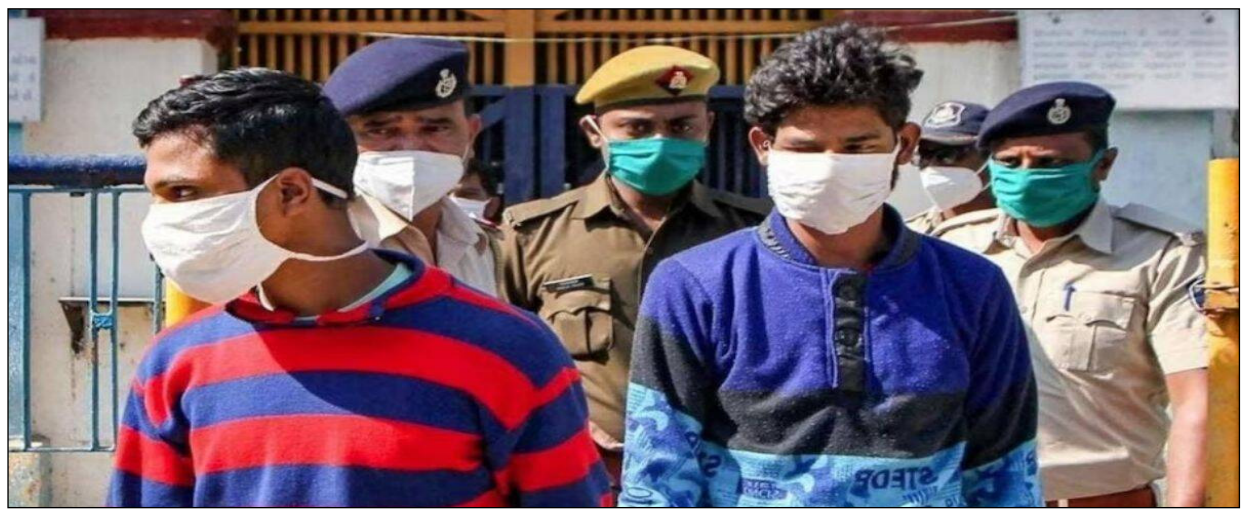

कितनी सच्चाई थी। फिर इस घटना के बाद जिस तरह उत्तर प्रदेश पुलिस लगातार मामले पर पर्दा डालने का प्रयास करती रही, उसका क्या! आधी रात को पीड़िता के शव को जला देना भला कहां का न्याय था। इसलिए न्यायालय के इस फैसले को लेकर स्वाभाविक रूप से सवाल उठ रहे हैं। हालांकि पीड़ित पक्ष इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देगा, पर न्याय कब तक मिल पाएगा, कहना मुश्किल है। किसी भी आपराधिक मामले में न्याय इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी जांच में कितनी निष्पक्षता और पारदर्शिता बरती जाती है। यह काम चूंकि पुलिस को करना होता है और उत्तर प्रदेश पुलिस का रवैया शुरू से पक्षपातपूर्ण देखा गया, इसलिए अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि उसने इसमें कितनी संजीदगी से जांच की होगी। जिस पुलिस ने अस्पताल से शव को उठा कर रात के अंधेरे में दाह संस्कार कर दिया, उसकी जांच पर कितना भरोसा किया जा सकता है। बलात्कार और हत्या के मामले में अक्सर पुलिस का झुकाव रसूखदार लोगों के पक्ष में देखा जाता है। अगर आरोपी रसूखदार और समाज के तथाकथित ऊंचे तबके से है, तो पुलिस का झुकाव उसी की तरफ देखा जाता है। अगर बलत्कृता तथाकथित निम्न जाति से ताल्लुक रखती है, तो पुलिस प्रायः उसकी शिकायत तक दर्ज करने से भी बचती है। किसी न किसी बहाने उसे टालती रहती है। हाथरस कांड में भी उसका यही रवैया दिखाई दिया। निचली अदालत ने जो फैसला सुनाया है, वह पुलिस के जुटाए तथ्यों के आधार पर ही दिया है। इसलिए पीड़ित पक्ष ऊपरी अदालत में इसे चुनौती देगा। उसे उम्मीद है कि वहां इस मामले को नए सिरे से जांच की कोशिश की जाएगी और सही तथ्यों को सामने लाने का प्रयास होगा। मगर फिर भी सहयोग तो पुलिस से ही लेना पड़ेगा और वह अपनी गलतियों को सुधारने या अपने पेश किए गए गलत तथ्यों को सही करने की कितनी ईमानदारी दिखाएगी, कहना मुश्किल है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक दीपक कुमार शर्मा द्वारा जॉय प्रिंटर्स प्लॉट नं 3जी -142, एनआईटी फरीदाबाद से मुद्रित एवं 903 सैक्टर-8, फरीदाबाद 121006 (हरियाणा) से प्रकाशित।
संपादक- दीपक कुमार शर्मा
RNI No. HARBIL/2016/74676
Mob. 8527791656, 9899222656,

## कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने लोगों को दी होली मिलन समारोह में होली पर्व की शुभकामनाएं

**सादगी से मनाएं होली, त्यौहारों से बढती है भाईचारे की**

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

**फरीदाबाद।** प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने होली पर्व पर बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में करीब चार करोड़ की लागत के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। वहीं फरीदाबाद में आयोजित विभिन्न होली मिलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर वहां उपस्थित सभी लोगों को होली पर्व पर आपसी भाईचारे को बनाए रखने और सादगी के साथ होली पर्व मनाने की बात कही।

## कर्मचारी राज्य बीमा निगम अपनी स्थापना के 71 वें वर्ष के उपलक्ष में 24 फरवरी से 10 मार्च तक मना रहा है विशेष सेवा पखवाड़ा

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

**फरीदाबाद।** कर्मचारी राज्य बीमा निगम अपनी स्थापना के 71 वें वर्ष के उपलक्ष में 24 फरवरी से 10 मार्च तक विशेष सेवा पखवाड़ा मना रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर्मचारी राज्य बीमा निगम के क्षेत्रीय कार्यालय फरीदाबाद के तत्वाधान में किया जा रहा हैं। क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी रूद्र दीप दत्ता द्वारा 24 फरवरी को इस पखवाड़े का शुभारंभ किया गया इसी कड़ी में 27 फरवरी को शाही एक्सपोर्ट सेक्टर 28 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के साथ सुविधा समागम का आयोजन किया गया। एक मार्च को क्षेत्रीय कार्यालय में सुविधा समागम का आयोजन किया। इन आयोजनों के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों, नियोजक प्रतिनिधियों व श्रमिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कई शिकायतों का तुरंत निपटान किया गया तथा कई शिकायतों को सेवा पखवाड़े के दौरान निपटान करने का आश्वासन दिया गया। एक मार्च को ही कर्मचारी राज्य बीमा निगम के महानिदेशक राजेंद्र कुमार ने भी ऑनलाइन माध्यम से कर्मचारियों की समस्याएं सुनी तथा उनका तुरंत निवारण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। जिसका निवारण अगले ही दिन क्षेत्रीय कार्यालय फरीदाबाद द्वारा कर दिया गया। पखवाड़े के दौरान 28 फरवरी को स्वच्छता अभियान का भी आयोजन संजय कॉलोनी सेक्टर 23 में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किया गया। तीन मार्च को पीआर पैकेजिंग पृथला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा किया गया उक्त शिविर में 60 महिला कर्मचारियों सहित लगभग 100 कर्मचारियों ने सहभागिता की तथा चिकित्सकों से परामर्श व दवाइयां प्राप्त की। सभी शाखा कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि विशेष सेवा पखवाड़े के दौरान लंबित सभी भुगतानों का निपटान सुनिश्चित करें।

## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम ने होली पर रखा रंगारंग कार्यक्रम

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**फरीदाबाद।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम महानगर में जीवा स्कूल में होली के अवसर पर एक रंगारंग कार्यक्रम रखा जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों ने भाग लिया और स्वयंसेवकों के परिवार शामिल हुए इस अवसर पर फूलों की होली खेली गई और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए होली के अवसर पर रसिया गाए गए जिन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया, जीवा स्कूल का थिएटर पूरी तरह से भरा हुआ था और लोग नृत्य और संगीत का आनंद ले रहे थे इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने सुचारू रूप से इसको चलाने के लिए व्यवस्था संभाली हुई थी इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश संपर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र उपस्थित रहे,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फरीदाबाद पश्चिम महानगर के अंतर्गत विवेकानंद नगर का स्नेह होली मिलन समारोह आज ०५/०३/२०२३ दिन रविवार प्रातः १० बजे से जीवा पब्लिक स्कूल सेक्टर 21इ फरीदाबाद में पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया । ३०० परिवारो के लगभग ११०० सदस्यों की इसमें सहभागिता रही। होली फेथ स्कूल की बच्चियों ने कन्या भ्रूण हत्या की सामाजिक बुराई के ऊपर एक हरियाणवी लोकनृत्य प्रस्तुत किया।

## तिगांव की देवतुल्य जनता ने होली पर दिया आशीर्वाद: राजेश नागर

**विधायक राजेश नागर के निवास पर होली मिलन में जुटे हजारों लोग**

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**फरीदाबाद।** तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने अपने भतौला निवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमें उनके समर्थक हजारों की संख्या में जुटे। इनमें बड़ी तादाद में पंच, सरपंच, बीडीसी मैंबर, जिला पार्षद आदि पंचायत प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक राजेश नागर ने सभी को गुलाल, अबीर, फूलों की पंखुडि?ों के साथ होली की शुभकामनाएं दीं। नागर ने कहा कि हर बार की तरह एक बार फिर तिगांव विधानसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें अपना प्यार एवं समर्थन प्रदान किया है। यहां हजारों की संख्या में जिस प्रकार लोगों का हुजूम और क्षेत्र सरदारी उमड़ी, उसके लिए मैं सभी का तहदिल से धन्यवाद व्यक्त करता हूं। नागर ने कहा कि तिगांव की सरदारी ने 2019 में उन्हें प्रदेश में सबसे ज्यादा वोटों के साथ विधानसभा भेजा था। उस दिन से आज तक उनके साथ लोगों का प्रेम बढ़ा ही है, घटा नहीं है। नागर ने कहा कि अपने लोगों के साथ होली मिलन का कार्यक्रम कर उनके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है, जिसके लिए वह सभी के आभारी हैं। नागर ने कहा कि प्रदेश की मनोहर लाल सरकार आज जनता को भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने का प्रयास कर रही है। जिसमें जनता का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में सभी नौकरियां योग्यता के आधार पर मिल रही हैं। वहीं हमारे क्षेत्र की सभी प्रमुख सडकों के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 25 करोड़ रुपये की विशेष ग्रांट दी है। इसके अलावा क्षेत्र में प्रदेश की पहली मॉडर्न आईटीआई, सीबीएसई आधारित संस्कृति मॉडल स्कूलों की स्थापना की व्यवस्था की जा रही है। जिससे आने वाले समय में तिगांव अग्रणी क्षेत्रों में शामिल होगा। इस अवसर पर तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पंच, सरपंच, बीडीसी मैंबर, जिला पार्षद सहित हजारों की संख्या में स्थानीय जनता ने विधायक के साथ होली मिलन में भागीदारी की और ढोल नगाड़ों की थापों पर जमकर नाचे।

## कार के बोनट व कार के ऊपर बैठकर हुड़दंग मचा रहे युवाओं के वायरल वीडियो के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने की कार्रवाई पहुंचाए पोस्टल चालान घर

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**फरीदाबाद।** डीसीपी ट्रेफिक श्री नीतीश अग्रवाल के द्वारा यातायात नियमों के पालन कराने के संबंध में ट्रैफिक पुलिस को दिए गए सख्त दिशा निर्देश के तहत कार्यवाही करते हुए ट्रैफिक थाना प्रभारी की टीम ने 1 मार्च को मथुरा हाईवे पर वायरल वीडियो के संबंध में पोस्टल चालान कर घर पहुंचाएं हैं। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि 1 मार्च को कुछ असामाजिक तत्वों ने मथुरा हाईवे पर अपनी गाड़ी के बोनट पर छत पर बैठकर यातायात के बीच अवरोध उत्पन्न किया था। फरीदाबाद में स्मार्ट सिटी के तहत लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात सामने आई तो सीसीटीवी टीम ने तुरंत मामले में कार्रवाई करते हुए गाड़ी चालकों के घर पोस्टल चालान कर पहुंचा दिए गए थे। ट्रैफिक पुलिस यातायात को लेकर सतर्क है अगर किसी भी असामाजिक तत्व के द्वारा यातायात में अवरोध उत्पन्न किया गया तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फरीदाबाद पुलिस यातायात को सुगम बनाने के लिए तत्पर है। यातायात पुलिस द्वारा समय-समय पर लोगों में यातायात को लेकर जागरूकता लाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं। साथ ही नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के चालान पोस्टल और सीसीटीवी कैमरे के द्वारा किए जाते हैं। अगर आप यातायात में किसी भी तरह की परेशानी के लिए 9582200138/0129-2225999 पर संपर्क कर सकते हैं।

## होली भाईचारा व सद्भाव बनाने का त्योहार: मूलचंद शर्मा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**बल्लभगढ।** जिला फरीदाबाद ब्राहमण सभा द्वारा बल्लभगढ़ अनाज मंडी स्थित ब्राहमण भवन में होली मिलन समारोह बडी ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। होली के पावन मौके पर श्री शर्मा ने जिला फरीदाबाद ब्राहमण सभा द्वारा होम्योपैथी डिस्पेंसरी का शुभारंभ किया जिसका मंत्री मूलचंद शर्मा ने रिबन काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्य रूप से एनआईटी क्षेत्र के विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा, जिला फरीदाबाद ब्राहमण सभा के पूर्व अध्यक्ष नित्यानंद शर्मा,जजपा के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद भारद्वाज,भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा,डा.रामनारायण भारद्वाज,गिर्राज शर्मा,बृजलाल शर्मा,नरेन्द पुजारी व रविदत्त शर्मा आदि गणमान्य लोग मौजूद थे। जिला फरीदाबाद ब्राहमण सभा के अध्यक्ष बृजमोहन बातिश व महासचिव मोतीलाल शर्मा ने आए सभी अतिथियों का चंदन का तिलक व पटका पहनाकर स्वागत किया तथा जमकर फूलों की होली खेली गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि परिवहन मूलचंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि होली वह त्योहार है जिस पर हम सभी एक दूसरे को रंग व गुलाल लगाकर भाईचारे व आपसी सद्भाव का परिचय देते हैं। अगर किसी के बीच मनमुटाव भी होता है तो वह होली वाले दिन दूर हो जाता है। इस मौके पर श्री शर्मा ने लोगों से यही अपील की होली पर एक दूसरे को गुलाल लगाकर दिल से गिले शिकवे दूर करें तभी हमारा होली मनाना सार्थक होगा। वहीं उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि आजकल मार्किट केमिकल से बने रंग गुलाल भी बिकते हैं जो हमारे शरीर के लिए काफी नुकसानदायक होते हैं। इसलिए केमिकल वाले रंग गुलाल से होली खेलने से बचें। हर्बल रंग गुलाल का ही प्रयोग करें। इस मौके पर होली के रसिया कार्यक्रम भी आयोजित हुआ जिसका लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया।

## राजस्थान एसोसिएशन फरीदाबाद ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह फागोत्सव

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**फरीदाबाद।** राजस्थान एसोसिएशन फरीदाबाद की ओर से फागोत्सव होली कार्यक्रम सूरजकुंड रोड स्थित डिलाइट फॉरएवर में आयोजित किया गया। यहां राजस्थान से आए कलाकारों ने नृत्य व संगीत के माध्यम से समा बांध दिया। राजस्थानी रेपर बावले छोरे, सुप्रसिद्ध गायिका दुर्गा जसराज, उजाला डांस ग्रुप एव अन्य कलाकारों ने लोगों को लोक नृत्य एवं संगीत के माध्यम से झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा के परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरियाणा संपर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र, विधायक नरेंद्र गुप्ता, भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, परवीन जोशी, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि राजस्थान की संस्कृति अपने आप में अनूठी है। फरीदाबाद में रह रहे प्रवासी राजस्थानी परिवार अभी भी अपनी संस्कृति जीवित रखते हुए परंपरागत तरीके से त्यौहार मनाते हैं। मैं सभी राजस्थानी भाइयों को कार्यक्रम की बधाई देता हूं। विशेष अतिथि नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि हमें अपने परिवारों के बच्चों में अपनी संस्कृति को सदैव जीवित रखने का कार्य करना चाहिए। होली का त्यौहार रंग और सौहार्द का त्यौहार है। हम सभी को मिलकर यह त्यौहार मनाना चाहिए। राजस्थान एसोसिएशन के अध्यक्ष मधुसूदन लड्ढा ने सभी अतिथियों का सम्मान राजस्थानी परंपरागत पगड़ी पहनाकर किया। उन्होंने बताया कि हम फरीदाबाद में रहकर भी अपनी परंपराओं को जीवित रखने के लिए निरंतर इसी प्रकार के आयोजन करते रहते हैं। साथ ही हमारा समाज धार्मिक एवं समाजिक कार्यों में भी अपनी अहम भूमिका निभाता है, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। हमारे परिवारों में इस कार्यक्रम को लेकर बड़ा उत्साह रहता है, हमारे यहां पर होली को बहुत ही अनूठे रूप में मनाया जाता है। शिवरात्रि से ही होली का हमारे यहां पर आगमन हो जाता है। कार्यक्रम के सयोजक मधु सूदन माटोलिया ने बताया कि 21 सालों से राजस्थान एसोसिएशन के तत्वाधान में निरंतर होली का कार्यक्रम होता आ रहा है, होली का त्यौहार भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है।

## दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में उठाए जाएं आवश्यक कदम : एडीसी हितेश कुमार

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

**पलवल।** अधिक दुर्घटना होने वाले स्थानों को चिन्हित किया जाए और कारण पता लगाकर दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर किठवाड़ी चौक पर लगी ट्रैफिक लाइट के नियमों की अनुपालना सुनिश्चित की जाए। ट्रैफिक लाइट के नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों के निरंतर चालान काटे जाएं। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने अवैध कटों को पूर्णतया बंद किया जाए और इन कटों को रोकने के लिए लगाई गई रैलिंग को बार-बार हटाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाई की जाए। अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार ने यह निर्देश शुक्रवार को जिला सचिवालय के द्वितीय तल पर स्थित सभागार में आयोजित सडक सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत नियमों की पालना सुनिश्चित करने के संदर्भ में सभी आवश्यक बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के अनुसार गठित कमेटी द्वारा एक शैड्यूल तैयार करके स्कूलों की बसों की चैकिंग भी की जाए। एडीसी हितेश कुमार ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिक अस्पताल के आस-पास सडक पर वाहन पार्क करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे जाएं और उसका विस्तृत ब्यौरा अलग से प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग व्हीकल्स के चालान किए जाएं। यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के अधिक से अधिक चालान किए जाएं। रोड एजेंसिंया सडकों का रखरखाव करना सुनिश्चित करें। सडक सुरक्षा के नियमों का पालन करने का उद्देश्य सडक दुर्घटनाओं को कम करना है। सडक मार्गों पर अवैध रूप से लगाए गए सभी होर्डिग्स और अतिक्रमण को हटाने की दिशा में कार्य किया जाए। एडीसी हितेश कुमार ने कहा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से जिला में मौजूदा एम्बुलेंस की स्थिति, कार्य तथा प्रबंधन के बारे में भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर अधिक दुर्घटनाएं घटित होती हैं, उन सभी स्थानों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

बैठक में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव जितेश कुमार ने सडक सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों, प्रबंधों तथा स्कूल सुरक्षित वाहन नीति के कार्यान्वयन बारे आवश्यक जानकारी व विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त को विश्वास दिलाया जो भी आज की बैठक मे दिशा निर्देश दिए है उनकी पालना सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग व मुख्य सडक मार्ग आदि पर अवैध कटो को बंद करने, अतिक्रमण हटवाने, मॉडल स्ट्रेच, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध निरंतर चालान करने, सुरक्षित स्कूल वाहन नीति, न्यू एक्सिडेंट प्रोन प्वाइंट्स एंड ब्लैक स्पॉट्स, स्पीड ब्रेकर, जेबरा क्रॉसिंग, ट्रैफिक लाइट, अतिक्रमण प्रशिक्षण में यातायात नियमों बारे आदि की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम रणवीर सिंह, नगराधीश द्विजा, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता नरेंद्र यादव, एसएचओ ट्रैफिक, नगर परिषद, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## एमएलए जगदीश नायर ने लगभग 1 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

**पलवल।** होडल के विधायक एवं हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के चेयरमैन जगदीश नायर ने रविवार को होडल में लगभग 1 करोड रुपए के विकास कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने होडल से खाम्बी रोड पर गोडोता चौक से रेलवे फाटक तक 600 मीटर लंबे सीमेंटेड बनने वाले रोड का विधिवत शिलान्यास किया। विधायक जगदीश नायर ने कहा कि इस रोड के बनने से गांव पेंगलतू, गोडोता, खाम्बी के लोगो को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इस रोड को बनाने की लोगों की बहुत पुरानी मांग थी। इस इस रोड को बनाने में 99 लाख 12 हजार रुपए का खर्चा आएगा। यह कार्य आगामी 6 महीने में पूरा हो जाएगा। विधायक जगदीश नायर ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार किसान हितैषी सरकार है। केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के हित में अनेकों योजनाएं बनाई गई है, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को लाभ पहुंच रहा है। विधायक ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अभी बुजुर्गों व विधवाओं की पेंशन में बढ़ोतरी की है, जो आगामी 01 अप्रैल 2023 से 2 हजार 500 रुपए से बढ़कर 2 हजार 750 रुपए मिलनी शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री के निर्देश है कि विकास के कार्य रुकना नहीं चाहिए, उसके लिए जितना भी पैसा चाहिए सरकार देने के लिए तैयार है। इसी कारण पूरे हरियाणा में विकास कार्य तीव्र गति से हो रहे हैं। विधायक जगदीश नायर ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा की सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में सबका साथ सबका विकास की तर्ज पर कार्य कराए हैं। इसी कड़ी में होडल विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य कराए जा चुके हैं व करोड़ों रुपए के विकास कार्य चल रहे हैं जो शीघ्र ही पूरे करवा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विकास कार्यों के लिए किसी भी क्षेत्र में पैसे की कोई कमी आड़े नहीं आने दी है। विधायक जगदीश नायर ने क्षेत्रवासियों को आगामी होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे केमिकल युक्त रंगों की होली के बजाय फूलों की होली खेलें, क्योंकि होली हमारे आपस के प्रेम को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि होली के त्यौहार पर लोग एक दूसरे से गले मिलकर गुलाल व फूलों की होली खेले, जिससे उनका आपस का प्यार बढ़ेगा। कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने विधायक सहित अन्य अतिथियों का पगड़ी बांधकर व फूल मालाएं पहनाकर परंपरागत तरीके से भव्य स्वागत किया।

# तमिलनाडु से बिहारी मजदूरों का पलायन

**दहशत** यहां रहे तो बचेंगे नहीं; वजह- सिगरेट के धुएं से उठा विवाद तमिल गौरव का मुद्दा बना

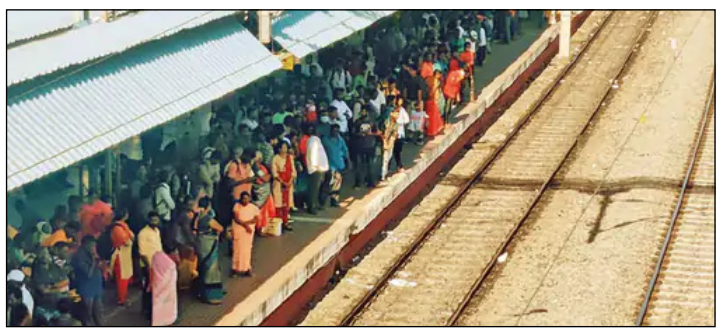

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** करीब डेढ़ माह पहले तिरुपुर की एक चाय की दुकान में सिगरेट के धुएं से उठे विवाद को अफवाहें इतना बड़ा बवंडर बना देंगी, किसी ने सोचा नहीं था। इसके बाद तमिलनाडु में बाहरी कामगारों की प्रताड़ना की ऐसी झूठी कहानियां निकली कि उत्तर भारतीय मजदूरों खासकर बिहारी मजदूरों का पलायन शुरू हो गया। हालांकि चेन्नई क्राइम ब्रांच ने इखढ के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई के खिलाफ दो समूहों के बीच हिंसा भड़काने और दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है।

## जानिए विवाद की वजह क्या थी

- 14 जनवरी को चाय की दुकान पर स्थानीय युवक उत्तर भारतीय पर सिगरेट का धुआं छोड़ रहे थे। विवाद हुआ तो उत्तर भारतीय जुटे और स्थानीय लोगों को दौड़ा दिया। स्थानीय लोगों ने वीडियो वायरल कर दिया। तमिल संगठनों ने बताया कि उत्तर भारतीय तमिलों को मार रहे हैं। इसके बाद ये तमिल गौरव का मुद्दा बन गया।

## इस झगड़े को राजनीतिक रंग कैसे मिला

- तमिलनाडु में स्थानीयता की उग्र पक्षधर तमिलर कच्छी (एनटीके) जैसी पार्टी इस विवाद को तमिल-गैर तमिल का रंग देकर अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में लग गई है। नतीजा आज 70% तक उत्तर भारतीय मजदूर जा चुके हैं। हालांकि इनमें बड़ी संख्या होली, शादियों के चलते घर जाने वालों की भी है।

## विवाद और पलायन का असर किस पर...

- तमिल-गैर तमिल विवाद और उत्तर भारतीयों के पलायन के चलते देश के टेक्सटाइल निर्यात में 50% से ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाले तिरुपुर में 70% फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर पहुंच गई हैं। हालांकि प्रवासी मजदूरों की दहशत कम करने के लिए सदर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन और भारतीय कपड़ा उद्योग परिसंघ ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बिहारी प्रवासी श्रमिकों पर हमलों को दिखाने वाले वीडियो झूठे हैं।

# उमेश पाल हत्याकांडः असद और गुड्डू मुस्लिम समेत पांच आरोपियों पर ढाई-ढाई लाख रुपये का इनाम घोषित

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**लखनऊ।** प्रयागराज के उमेश पाल हत्याकांड को अंजाम देने वाले पांच आरोपियों की गिरफ्तारी पर डीजीपी मुख्यालय ने 2.50-2.50 लाख रुपये का इनाम घोषित कर दिया है। इनमें हत्याकांड का मास्टरमाइंड माफिया अतीक अहमद का बेटा असद अहमद भी शामिल है। इसके अलावा घटना को अंजाम देने वाले शूटर अरमान, गुलाम, गुड्डू मुस्लिम और साबिर पर भी 2.50-2.50 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इससे पहले प्रयागराज पुलिस कमिश्नर ने पांचों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। साथ ही, इनाम की धनराशि बढ़ाने का प्रस्ताव डीजीपी मुख्यालय भेजा था जिसे डीजीपी ने मंजूरी दे दी है।

# तुनिषा सुसाइड केस में शीजान को मिली जमानत

**बाहर निकलते ही मां और बहनों के गले लगकर रोया; 70 दिन से जेल में था**

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** तुनिषा शर्मा सुसाइड मामले में मुख्य आरोपी शीजान खान को जमानत मिल गई है। उसे लेने के लिए उसकी मां और दोनों बहनें फलक नाज और शफक नाज वसई कोर्ट पहुंचीं थीं। जेल से निकलने के बाद शीजान उनके गले लगकर फूट-फूट कर रोता दिखाई दिया। करीब 70 दिन जेल में रहने के बाद शीजान को 4 मार्च को वसई कोर्ट से जमानत मिली थी। टीवी एक्ट्रेस तुनिषा ने 24 दिसंबर को शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तुनिषा के खुदकुशी करने के कुछ ही घंटे के बाद उसकी मां ने उसके को-स्टार शीजान मोहम्मद खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शीजान को पुलिस ने 25 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले की जांच कर रही वालिव पुलिस ने 500 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। शीजान पर तुनिषा को खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद से ही शीजान कई बार जमानत के लिए अर्जी दाखिल कर चुका था। 13 जनवरी को हुई सुनवाई में वसई कोर्ट ने शीजान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद शीजान ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी, लेकिन 17 फरवरी को यहां से भी शीजान को राहत नहीं मिल पाई थी। शीजान और तुनिषा करीब 4 महीने से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। तुनिषा के सुसाइड से 15 दिन पहले ही दोनों का ब्रेकअप हुआ था। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में शीजान खान ने उम्र और धर्म की वजह से तुनिषा के साथ ब्रेकअप की बात मानी थी। पुलिस के मुताबिक, शीजान ने बताया था कि श्रद्धा मर्डर केस भी उनका रिश्ता टूटने की वजह थी। उस समय देश में चल रहे माहौल से वह परेशान था। उसने यह भी बताया था कि तुनिषा भी अलग होना चाहती थी। शीजान ने बताया कि तुनिषा ने पहले भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय मैंने उसे बचाया था। तुनिषा की मां को उसका खास ध्यान रखने के लिए कहा था।

# कोर्ट में मनीष सिसोदिया का छलका दर्द, बोले- सीबीआई का व्यवहार अच्छा लेकिन मैं मानसिक प्रताड़ना का शिकार

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की सीबीआई हिरासत और दो दिन के लिये बढ़ा दी और केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें सोमवार को पेश करने का निर्देश दिया। सिसोदिया ने अदालत से कहा कि हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो हिरासत में उनके साथ अच्छा व्यवहार कर रहा है, लेकिन बार-बार एक ही सवाल पूछे जाने से मानसिक प्रताड़ना हो रही है। इसके बाद विशेष न्यायाधीश एम। के। नागपाल ने सीबीआई से कहा कि वह उनसे बार-बार एक ही सवाल न पूछे। सिसोदिया ने कहा, वे थर्ड-डिग्री का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। लेकिन आठ से नौ घंटे बैठना और एक ही सवाल का बार-बार जवाब देना, वह भी मानसिक प्रताड़ना है।

## 'यदि आपके पास कुछ नया है, तो उनसे पूछें'

- न्यायाधीश ने पिछली सुनवाई पर सीबीआई को आरोपी पर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया था। न्यायाधीश ने जांच एजेंसी से कहा कि एक ही सवाल बार-बार न पूछें। यदि आपके पास कुछ नया है, तो उनसे पूछें। सिसोदिया के वकील ने सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि उनकी पत्नी का स्वास्थ्य बहुत खराब है। इससे पहले, सीबीआई ने सिसोदिया की और तीन दिन के लिये हिरासत मांगी थी। हालांकि, अदालत ने फिलहाल सिसोदिया की सीबीआई हिरासत दो दिन के लिये ही बढ़ाई। सिसोदिया के वकील ने उइकी याचिका का विरोध किया। वकील ने कहा कि जांच पूरी करने में एजेंसी की अक्षमता हिरासत का आधार नहीं हो सकती और उन्हें खुद को दोषी मानने के लिए नहीं कहा जा सकता है।

## सिसोदिया ने सीबीआई की याचिका का विरोध किया

- सिसोदिया ने कहा कि सहयोग नहीं करना हिरासत का आधार नहीं हो सकता है और उन्होंने हिरासत के अनुरोध संबंधी उइकी याचिका का विरोध किया। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने कहा, सहयोग नहीं करना हिरासत का आधार नहीं हो सकता। वे यह नहीं कह सकते कि हम उनके अपराध कबूल करने तक इंतजार करेंगे। उन्हें जांच पूरी करनी चाहिए थी। जांच पूरी करने में उनकी अक्षमता हिरासत का आधार नहीं हो सकती। इस बीच, अदालत ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और उसे 10 मार्च तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया, जब वह आवेदन पर दलीलें सुनेगी।

# एशियानेट न्यूज के कोच्चि ऑफिस में केरल पुलिस का छापा

**फर्जी खबर फैलाने का आरोप, एसएफआई कार्यकर्त्ता दफ्तर में घुसकर धक्कामुक्की कर चुके हैं**

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** एशियानेट न्यूज के कोच्चि दफ्तर में केरल पुलिस ने रविवार को छापा मारा है। यह कार्रवाई विधायक पीवी अनवर की शिकायत के बाद की जा रही है। विधायक ने आरोप लगाया है कि एशियानेट ने नाबालिग लड़की का इस्तेमाल कर फर्जी खबर तैयार की और उसे फैलाया है। मामले में पुलिस ने जालसाजी,पॉक्सो सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया है। छापेमारी के बाद से अभी तक पुलिस का बयान नहीं आया है। वहीं, एशियानेट न्यूज के प्रेसिडेंट राजेश कालरा ने कहा कि पुलिस मनगढ़ंत मामले में छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें धमकाने की कोशिश की जा रही है। हमारा न्यूज ग्रुप इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। मुख्यमंत्री पिनारई विजयन ने विधानसभा में कहा कि 10 अक्टूबर 2022 को एशियानेट न्यूज ने नशीली दवाओं के खतरे पर एक प्रोग्राम दिखाया था। इसमें चैनल ने 14 साल की लड़की का फर्जी इंटरव्यू लिया था। ऐसी फेक न्यूज फैलाने और उसमें नाबालिग लड़की को शामिल करने के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में जांच भी शुरू कर दी गई है। विधानसभा में उट का बयान आने के बाद एशियानेट न्यूज ने फिर एक खबर चलाई। इसमें नाबालिग लड़की के पिता का स्टेटमेंट था, जिसमें बताया गया कि नशे के खिलाफ जो खबर चलाई गई थी, वह फर्जी नहीं है।

# अमेरिकन एयरलाइंस में भारतीय छात्र ने पेशाब कीः नशे में धुत था, एयरलाइंस ने बैन लगाया; न्यूयॉर्क-दिल्ली फ्लाइट की घटना

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट में नशे में धुत एक भारतीय आदमी ने अमेरिकी यात्री के ऊपर पेशाब कर दी। घटना 3 मार्च की बताई जा रही है। मामला अब सामने आया है। ये फ्लाइट न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही थी। एयरलाइन का कहना है कि घटना के बाद आरोपी ने माफी मांग ली थी। लेकिन, एयरलाइंस ने आरोपी पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने कहा- फ्लाइट 292 में अमेरिकी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाला एक छात्र शराब के नशे में धुत होकर यात्रा कर रहा था। छात्र का नाम आर्य वोहरा है। उसने सोते समय पेशाब कर दी, जो लीक होकर पास बैठे यात्री पर गिर गई। इस बात की शिकायत क्रू से की गई। अधिकारी ने कहा- फ्लाइट ने 3 मार्च रात 9:16 बजे न्यूयॉर्क से उड़ान भरी थी। 14 घंटे 26 मिनट की यात्रा के दौरान ये घटना हुई। आरोपी ने पीड़ित यात्री से माफी मांग ली। इसलिए वो इस मामले की जानकारी पुलिस को नहीं देना चाहता था। लेकिन जब क्रू को पता चला तो उन्होंने पायलट को बताया। विमान 4 मार्च सुबह 10:12 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ तो एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को मामले की सूचना दी गई। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के जवानों ने विमान से उतरते ही आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। अमेरिकन एयरलाइंस ने कहा- छात्र बहुत नशे में था। वो क्रू मेंबर्स की बात नहीं सुन रहा था। जब उसे अपनी सीट पर बैठने के लिए कहा गया तो वो बहस करने लगा। वो बाकी यात्रियों को परेशान कर रहा था। थोड़ी देर बाद वो सो गया। फ्लाइट में किसी यात्री पर पेशाब करने का ये तीसरा मामला है। सबसे पहले 26 नवंबर 2022 को ऐसा मामला सामने आया था। तब शेखर मिश्रा नाम के आरोपी ने न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही फ्लाइट में एक बुजुर्ग महिला पर पेशाब कर दी थी।

# चीन पर अपने रुख से पलटे राहुल

**कैंब्रिज में चीन को शांतिप्रिय देश कहा था, अब बोले- भारत को उससे सतर्क रहने की जरूरत**

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** कैंब्रिज में चीन को शांति पसंद और नेचर से जुड़ा देश बताने वाले राहुल गांधी का रुख अब बदल गया है। कैंब्रिज से करीब 100 किलोमीटर दूर लंदन में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के इंडिया इनसाइट्स प्रोग्राम में राहुल ने कहा- इंडिया को चीन से सतर्क रहने की जरूरत है। वह बॉर्डर पर बहुत ज्यादा एक्टिव और एग्रेसिव है। 7 दिन के ब्रिटेन दौरे पर गए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर मोदी सरकार की खुले मंच पर आलोचना की है। लंदन में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने इंडिया इनसाइट्स के तहत राहुल गांधी से चर्चा की। इस दौरान राहुल ने कहा- देश का अपमान मैं नहीं, बल्कि खुद पीएम मोदी करते हैं। राहुल ने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री मोदी या उनकी सरकार पर सवाल उठाते हैं, उस पर हमला किया जाता है। बीबीसी के साथ भी यही हुआ। राहुल ने इनकम टैक्स रेड, लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी और इंडिया-चीन रिलेशनशिप पर भी बात की।

# भाजपा विधायक का बेटा 40 लाख घूस लेते गिरफ्तार

**ऑफिस-घर से 8 करोड़ कैश मिला, विधायक पिता ने कंपनी का चेयरमैन पद छोड़ा**

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** कर्नाटक में गुरुवार को लोकायुक्त ने भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को 40 लाख रुपए घूस लेते गिरफ्तार किया। प्रशांत की गिरफ्तारी पिता के बेंगलुरु स्थित कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड से दफ्तर से हुई। लोकायुक्त ने डरऊछ दफ्तर और प्रशांत के घर पर छापा मारा तो 8 करोड़ कैश बरामद हुआ। गिनती करने के बाद अफसरों ने नोटों के बंडल बिस्तर पर रख दिए। भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा ने डरऊछ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि जिस टेंडर के मामले में बेटे ने घूस ली, उसमें मैं शामिल नहीं हूं। वीरुपक्षप्पा के इस्तीफे से पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा था कि लोकायुक्त को दोबारा शुरू करने का मकसद राज्य में भ्रष्टाचार को खत्म करना था।

## प्रशांत ने 80 लाख घूस मांगी थी

- लोकायुक्त अधिकारियों के मुताबिक, प्रशांत कर्नाटक एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के 2008 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने साबुन और अन्य डिटर्जेंट बनाने के लिए कच्चे माल को खरीदने की डील के लिए एक ठेकेदार से 80 लाख रुपए की डिमांड की थी। जिसके बाद ठेकेदार ने इसकी शिकायत लोकायुक्त से की थी। शिकायत पर लोकायुक्त ने प्रशांत को रंगे हाथ पकड़ने के लिए योजना बनाई। अधिकारी ने बताया कि डरऊछ के चेयरमैन और भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा ओर से ये रकम ली गई है। ऐसे में रिश्वत लेने के इस मामले में पिता और पुत्र दोनों आरोपी हैं।

## प्रशांत के पिता बोले- मैं किसी टेंडर में शामिल नहीं

- प्रशांत के पिता मदल वीरुपक्षप्पा कर्नाटक के दावणगेरे जिले के चन्नागिरी से विधायक हैं। उन्होंने कहा- मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसकी जानकारी मुझे मीडिया के जरिए मिली। इस बारे में मैंने अपने बेटे से बात नहीं की है, क्योंकि वह अब लोकायुक्त की कस्टडी में है। मैं किसी टेंडर में शामिल नहीं हूं।

# मजदूरों से भरी बस को ट्राला ने मारी टक्कर 8 लोगों की मौत, 20 से ज्यादा घायल

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**अंबाला।** हरियाणा के अंबाला में भीषण हादसा हो गया, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई। जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा शुक्रवार सुबह साढ़े 4 बजे पंचकूला-यमुनानगर नेशनल हाईवे 344 पर गांव कक्कड़ माजरा (शहजादपुर) के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, यूपी के बरेली से मजदूर बस में बद्दी जा रहे थे। जैसे ही वह शहजादपुर के पास गांव कक्कड़ माजरा के पास पहुंचे तो पीछे से उनकी बस को ट्राला ने टक्कर मार दी। मरने वालों में यूपी के गांव फतेहपुर जिला संबल निवासी 34 वर्षीय ज्वाला, उसकी 32 वर्षीय पत्नी रिंकी, 8 वर्षीय बेटा प्रिंस, 6 वर्षीय छोटा बेटा प्रशांत, गांव रूदाइन जिला बदायूं निवासी रहीश खान, गांव उलैया निवासी बदन सिंह, जरीना के रूप में हुई है। समाचार लिखे जाने तक एक मृतक की शिनाख्त नहीं हुई थी। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शी गांव कक्कड़ माजरा निवासी सुभाष चंद की शिकायत पर ट्राला चालक चंद्रमोहन और बस चालक फुरकान के खिलाफ धारा 283,279,337,338,304-ए,304 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## बस में ट्राला ने पीछे से मारी टक्कर

- प्रत्यक्षदर्शी सुभाष चंद ने बताया कि उसकी बस अड्डा कक्कड़ माजरा पर कंफैक्शनरी की दुकान है। शुक्रवार सुबह साढ़े 4 बजे वह सैर करने के लिए शहजादपुर रोड पर जा रहा था। हाईवे पर शर्मा ढाबा कक्कड़ माजरा के पास पहुंचा तो देखा कि यहां बस चालक ने अपनी बस बिना इंडीगेटर और पार्किंग लाइट चलाए बिना हाईवे किनारे खड़ी की हुई थी। बस चालक खुद भी नीचे उतर गया और सवारियां भी उतरने लगी। इसी बीच, शहजादपुर की तरफ से तेज रफ्तार एक ट्राला आया और सीधी बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतना भयानक थी कि दोनों वाहन पलट गए।

# संक्षिप्त समाचार

## समाजसेवी विजय सभ्रवाल 8वीं बार बने कुवि कोर्ट के सदस्य

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**कुरुक्षेत्र।** धर्मजीवी इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल एजुकेशन के चेयरमैन एवं वरिष्ठ पत्रकार विजय सभ्रवाल 8वीं बार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कोर्ट के निर्विरोध सदस्य निर्वाचित हुए हैं। सभ्रवाल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबद्ध प्राइवेट प्रोफेशन कॉलेजों की प्रबंधक कमेटी के जोन से कुवि कोर्ट के सदस्य चुने गए। उनका कार्यकाल 2 वर्ष का होगा। अपने निर्वाचन पर उन्होंने इस जोन के सभी मतदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी गई है वे उसको पूरी तरह से निभाएंगे और प्राइवेट कॉलेजों की जो भी समस्याएं हैं, उनका इस मंच पर उठा कर हल करवाने का प्रयास करेंगे।

## आम आदमी पार्टी ने फूंका सरकार का पुतला, जम कर की नारेबाजी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**कुरुक्षेत्र।** आम आदमी पार्टी कार्यकताओं ने ई टेंडरिंग का विरोध कर रहे ग्रामीण सरपंचों पर लाठीचार्ज को लेकर भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार का पुतला फूंका। आप कार्यकताओं ने थानेसर पुराना बस अड्डे पर जम कर नारेबाजी की। आप नेता जगबीर जोगनाखेड़ा ने कहा कि भाजपा सरकार को वोट देकर जनता आज खुद को ठगा महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कि केंद्र और हरियाणा की जेजेपी बीजेपी सरकार जुमलेबाजी में माहिर हैं। जनता को अच्छे दिनों का नारा देकर सरकार ने महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अपराध उपहार में दिए हैं। जगबीर ने सरपंचों पर सीएम आवास पर हुए लाठीचार्ज को सरकार की तानाशाही बताया। उन्होंने कहा कि सरपंचों पर पड़ी एक एक लाठी हरियाणा की जेजेपी भाजपा गठबंधन सरकार के ताबूत की अंतिम कील साबित होगी। इस अवसर पर आप पूर्व वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल खुब्बड़, आप पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सुमित हिंदुस्तानी, पूर्व जिला चेयरमैन जवाहर लाल गोयल, पूर्व जिलाध्यक्ष मेवा राम आर्य, फूल कुमार, रणबीर चहल, सुखविंद्र ब्लाही, अमित कतलेहरी, विक्रम सिंह, प्रदीप कुमार, जसबीर सिंह, रजत, राहुल त्यागी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

## मुक्ति धाम आश्रम में खेली गई फूलों की होली, जमकर उड़े गुलाब

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**पुन्हाना।** शहर के मुक्ति धाम आश्रम में शुक्रवार को होली-मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा फूलों की होली खेलकर आपसी भाईचारे के साथ ही जल सरंक्षण का संदेश भी दिया गया। समारोह की अध्यक्षता आश्रम के महंत रामदास ने की वहीं, नगर पालिका चेयरमैन बलराज सिंगला, पूर्व गौ सेवा आयोग के चेयरमैन भानीराम मंगला, थाना प्रभारी अरविंद कुमार, आरएसएस से श्याम सुंदर, राज कुमार नैवानियां, ज्वाहर लालमंगला और चांदडाका चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। समारोह में राधा-कृष्ण के भजनों पर श्रद्धालु जमकर नाचे। महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल रही। मुक्ति धाम आश्रम के महंत रामदास ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आश्रम पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शहर सहित गांवों के काफी लोगों ने भाग लेकर होली मनाई। गुलाब के फूलों से भगवान की मुर्तियों के साथ होली खेलकर समारोह की शुरूआत की गई और अंत में सभी लोगों ने एक-दूसरे के साथ होली खेलकर पर्व की बधाई भी दी। उन्होंने बताया कि होली मिलन समारोह की प्रथा आश्रम के मुख्य महंत रहे स्वर्गीय रामचरण दास ने शुरू की थी। आज उन्हीं के पथ पर चलते हुए आश्रम पर समय-समय पर विभिन्न प्रकार के धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। हिंदू धर्म के होली के पर्व का बडा महत्व है। इस पर्व पर हम न केवल एक-दूसरे को गले लगाकर पर्व की बधाई देते हैं बल्कि पूरे वर्ष के गिले-शिकवे भी दूर करते हैं। होली का पर्व भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी के प्रेम का प्रतिक माना जाता है। जिसको लेकर आश्रम में होली का पर्व बडे धूमधाम से मनाया गया है। जिसमें भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी के भजनों पर झूमने के साथ ही एक दूसरे के साथ फूलों की होली खेलकर बधाई भी दी गई और साथ ही युवाओं को पर्व के सही महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई।

## नेफिस सिस्टम से सुलझ रहे हैं मामले

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**चंडीगढ़।** अपराध की तह तक पहुँचने के लिए हरियाणा पुलिस हाई टेक हो रही है। कई मामलों में लावारिस मृतक शरीर मिलने पर सबूतों के अभाव में अक्सर पुलिस अपराध को ट्रेस नहीं कर पाती थी लेकिन विगत वर्षों में अपराधों की रोकथाम के साथ गंभीर अपराधों में प्रदेश पुलिस अच्छा काम कर रही है। हरियाणा स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के निदेशक ओ पी सिंह ने बताया कि लगातार बड़ी वारदातों को उजागर करने में पुलिस को सफलता मिली है। नेफिस (नेशनल ऑटोमैटिक फिंगर प्रिंट आईडेंटिफिकेशन) के माध्यम से अब फिंगर प्रिंट से बड़ी वारदातें ट्रेस हो रही है। पिछले माह ही हरियाणा पुलिस ने 3 अज्ञात शवों की पहचान नेफिस के माध्यम से उजागर की है। इसे और बेहतर करने के लिए हमने टीम को ऐसे क्राइम सीन पर ऐहतियात बरतने के निर्देश दिए। स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो निदेशक ने बताया कि पिछले वर्ष करीब 1247 केस में नेफिस की सहायता से केस ट्रेस करने में स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो को सफलता मिली है जिसमें प्रदेश के 933 केस व अन्य राज्यों के 314 केस थे। वहीं इस वर्ष जनवरी महीने में ही तकरीबन कुल 842 केस, जिनमें 647 प्रदेश के थे और 195 अन्य राज्यों के केस ट्रेस करने में सफलता मिली है।

# हरियाणा सीएम का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाने वाले गिरफ्तार

## यूपी पुलिस ने स्टेट कोऑर्डिनेटर समेत 5 पकड़े, बोले- पता नहीं था, मनोहर लाल मुख्यमंत्री हैं

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के उत्तर प्रदेश से फर्जी डेथ सर्टिफिकेट जारी होने के मामले का यूपी पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड जन्म और मृत्यु आंकड़ा अनुभाग का स्टेट कोऑर्डिनेटर निकला। पैसे कमाने के लिए उन्होंने यह फर्जी सर्टिफिकेट बनाया था। यूपी पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सोनभद्र के एएसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि 2 फरवरी 2023 को मनोहर लाल पुत्र हरबंश लाल के नाम का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट पंजीकरण संख्या डी/2023.60339-000021 जारी हुआ था। इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय के जन्म-मृत्यु डेटा असिस्टेंट मनोज कुमार ने पुलिस को शिकायत दी थी। पुलिस ने पन्नूगंज थाने में केस दर्ज कर इसकी जांच शुरू की।

### इन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

● पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद प्रशांत मौर्य, मोनू शर्मा उर्फ शिवानंद शर्मा, अंसार अहमद, मोहम्मद कैफ अंसारी और जन्म-मृत्यु आंकड़ा विभाग में ठेका कर्मचारी यशवंत को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 4 लैपटॉप और 7 मोबाइल बरामद किए गए हैं।

### ऐसे हुआ खुलासा

● पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि कॉन्ट्रैक्ट पर रखा स्टेट कोऑर्डिनेटर यशवंत जन्म और मृत्य प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सीआरएस पोर्टल की आईडी और पासवर्ड देता था। उसने इन आरोपियों को भी पासवर्ड दिया, जिसके बाद इनके मोबाइल नंबर को उस आईडी पर पंजीकृत कर दिया गया। जिससे आरोपियों को लॉगइन करते समय ओटीपी भी मिल गया। इसकी सहायता से वह जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने का काम करते हैं। प्रत्येक प्रमाण पत्र पर धनराशि मिलती है।

### आरोपी बोले- मनोहर लाल के ष्टरूहोने का पता नहीं था

● पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि स्टेट कोऑर्डिनेटर के दिए पासवर्ड से लॉगइन करने के बाद हम जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का काम करते हैं। प्रत्येक प्रमाण पत्र के लिए धनराशि मिलती है। 2 फरवरी को मनोहर लाल पुत्र हरबंश लाल निवासी 719 न्यू प्रेमनगर पोस्ट प्रेमनगर करनाल हरियाणा पिन- 132001 का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए हमें वॉट्सऐप पर विवरण भेजा गया था।

# सही मायने में जनसेवक हैं सैक्टर 21 सी आरडब्ल्यूए के प्रधान महेंद्र शर्मा

## स्वच्छता को सर्वोपरि मानते हुए 1000 ट्रॉली कूड़ा निस्तारण करवा चुके हैं अब तक

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

**फ़रीदाबाद।** जनसेवा के लिए सेवा भाव होना चाहिए और यही सेवा भाव आज सही मायने में लुप्त होता जा रहा है लोगों में लेकिन इसी माहौल के बीच ऐसे लोग भी हैं जो जनसेवा को सर्वोपरि मानते हैं इसी तरह के चुनिंदा लोगों में से हमारी मुलाकात फरीदाबाद के सैक्टर 21 सी के आरडब्ल्यूए प्रधान महेंद्र शर्मा से हुई और अपने इस साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपने 14 महीने में किए कामों का विवरण प्रस्तुत किया। प्रधान महेंद्र शर्मा ने बताया कि हमारे सैक्टर 21 सी में 1100 घर हैं , हम लोगों की कोई सुनवाई नहीं थी। जगह जगह पड़े हुए कूड़े के कारण लोग परेशान थे। हमने 1000 ट्रॉली पड़े हुए कूड़े का निस्तारण किया। वहीं हमने 20 बड़े बड़े डस्टबिन रखवाए है ताकि कूड़ा जगह जगह न पड़ा हुआ मिले। हमने सड़क की सफाई के लिए भी मशीन खरीदी। हमने अपने सैक्टर 21 सी में 20 साल से बंजर पड़े हुए पार्क को डेवलप कराया और अब एक और पार्क को भी हम खुद डेवलप कराएंगे। हमने 21 सी की मार्केट में टॉयलेट बनवाई, जगह जगह पड़ी गंदगी साफ कराई , साथ ही एक होटल द्वारा कब्जाई हुई जमीन छुड़वाई आज उस जगह पर बच्चे खेलते हैं। हमने बच्चों के लिए इंडोर गेम्स की व्यवस्था की हुई है जिसका लाभ सेक्टर के बच्चे ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले हमारा सेक्टर 2 वार्ड में विभाजित था जिसे हमने एक वार्ड में कराने के लिए भी संघर्ष किया। हमने लगभग 35 लाख का खर्च एक साल में विकास कार्यों पर किया है जिसमें से स्थानीय विधायक सीमा त्रिखा द्वारा हमें 11 लाख की राशि प्राप्त हुई है। पार्क और मार्किट में बनाए गए टॉयलेट पर मैने खुद अपनी आय से खर्च किया है । हम सभी राष्ट्रीय त्यौहार व अन्य त्योहार बडी धूमधाम से मनाते हैं , हमने गणतंत्र दिवस पर 200 बच्चों को पुरस्कृत किया था। महेंद्र शर्मा ने बताया कि बहुत जल्द हम लोगो के स्वास्थ्य के मद्देनजर डिस्पेंसरी आरंभ करेंगें जिसमें चिकित्सक भी उपलब्ध होगा। चुनौतियों के सवाल पर उन्होंने बताया कि आज भी हमारे सैक्टर में ऐसी सड़कें हैं जो पिछले कई वर्षों से नहीं बनाई गई ज्यों कि त्यों हैं । महेंद्र शर्मा ने सभी सैक्टर निवासियों और देशवासियों को होली पर्व की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को आपसी तालमेल रखना चाहिए और प्रेम से रहना चाहिए।

## केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की विकासात्मक योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**घरौंडा।** सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की विकासात्मक योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को घरौंडा के सरकारी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी कार्यालय करनाल की ड्रामा पार्टी के कलाकारों ने अपने विकास गीतों के माध्यम से सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं स्कूलों व शिक्षा संबंधी योजनाएं, चिरायु कार्ड, परिवार पहचान पत्र, पेंशन संबंधी, विवाह शगुन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ तथा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम में विभाग के कलाकारों हिसम सिंह सैनी, सुमेर, रामकुमार, गुलाब सिंह व संदीप सैनी ने अपने लोकगीतों के माध्यम से केन्द्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों के साथ-साथ जिला में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के कलाकार सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को शहर व गांव-गांव में पहुंचकर लोगों तक पहुंचाते हैं ताकि लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल सकें।

# नशे के विरुद्ध एक दिवसीय 202वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

## एडीजीपी श्रीकांत जाधव साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में किया जागरूक

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**कुरुक्षेत्र।** हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो प्रमुख एवं अम्बाला मंडल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव भा.पु.से. साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय 202वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्यूरो प्रमुख श्री श्रीकांत जाधव साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में प्रयास सदस्य कर्म चंद एवं उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया और शपथ दिलवाई। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मुक्त हरियाणा अभियान में जन सहभागिता अत्यावश्यक है जिसमे सबसे प्रथम अपने घर से ही हमें नशा मुक्त रहने के संकल्प की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी व्यक्तियों को चाहिए कि वे अपने बच्चों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करें और उनकी गतिविधियों पर धयान दें। नशा बेचने वाले भी हमारे समाज के लोग हैं जो धन के लोभ में नशा परोस कर देश की युवा पीढ़ी को भीतर ही भीतर खोखला कर रहे हैं। ऐसे लोगों की सुचना ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर निर्भीकता से दें। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जीवन में नशा न करने की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य उपस्थित रहे।

## नाटक भगत सिंह की वापसी में मंडी हिमाचल के रंगकर्मियों ने छोड़ी अभिनय की छाप

### समाज को आईना दिखा गया नाटक भगत सिंह की वापसी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**कुरुक्षेत्र।** हरियाणा कला परिषद और उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के सौजन्य से कला कीर्ति भवन में आयोजित नाट्य रंग उत्सव के दूसरे दिन हिमाचल सांस्कृतिक शोध संस्थान एवं नाट्य रंगमंडल मण्डी के कलाकारों द्वारा सागर सरहदी का लिखा और अयाज खान के निर्देशन में नाटक भगत सिंह की वापसी का मंचन किया। इस दौरान हरियाणा पर्यटन विभाग के अध्यक्ष अरविंद यादव मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा पशुधन बोर्ड के अध्यक्ष धर्मबीर मिजार्पुर ने की। हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। महाबीर गुड्डू ने पगड़ी पहना कर अतिथियों का अभिनंदन किया। मंच का संचालन विकास शर्मा ने किया। सागर सरहदी के नाटक भगत सिंह की वापसी में नाटक कार की कल्पना है कि यदि भगत सिंह आज फिर से जन्म लेकर उसी आत्मा के साथ हमारे सामने आकर खड़े हो जाएं और हमसे पूछे कि जिस आजा़दी को पाने के लिए हमने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। इस देश के लिए अपनी जान निछावर कर दी थी, क्या यह वही आजाद भारत है। जिसका तसव्वुर हमने किया था क्या यह वही भारत है। नाटक में राहुल भगत, फ्रेंडी, राजगुरु, रोशन, विवेक, नीलेश, ओमकार, नीरज, ध्रुव, तस्लीम अली, देवांग तोमर, सीमा शर्मा, दीप कुमार, शुभम वर्मा, विवेक, नीरज आदि ने अपनी अदाकारी से नाटक को सफल बनाया। अंत में कलाकारों को सम्मानित किया गया।

# सरपंचों पर हुए बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज के विरोध में आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**होडल।** ई- टेंडरिंग के विरोध प्रदर्शन करते सरपंचों पर हुए बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज एवं रसोई गैस सिलेंडर पर हुई वृद्धि को लेकर आज आम आदमी पार्टी ने लघु सचिवालय के सामने प्रदेश सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए नारेबाजी की और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का पुतला फूंका। तय कार्यक्रम अनुसार आम आदमी पार्टी के आह्वान पर पूरे प्रदेश में आज आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन किया। इसी कार्यक्रम के तहत होडल आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री नवीन रोहिल्ला के नेतृत्व में धर्मेन्द्र चौहान, संजय मित्तल आदि नेताओं के लघु सचिवालय के सामने पहुंच गए और नवीन रोहिल्ला ने कहा सरपंच सरकार की सबसे छोटी इकाई होती है जनता द्वारा चुनकर आते हैं गांव का प्रतिनिधित्व करते हैं और गांव के जो भी कार्य होते हैं सर्वसम्मति से मिल कर किए जाते हैं। आज सरकार ने सरपंचों के ऊपर ई-टेंडरिंग की व्यवस्था थोप दी है वह भी उन हालातों में जब गांव में ना तो 24 घंटे बिजली की सप्लाई है ना ही सरपंचों को इंटरनेट की सुविधा दी गई है ना ही उन को लैपटॉप और कंप्यूटर आदि दिए गए हैं ना उनको ई टेंडरिंग और डिजिटल सिग्नेचर इस्तेमाल करने की कोई ट्रेनिंग दी गई है ऐसे हालातों में सरपंच करें तो क्या करें। ई टेंडरिंग की व्यवस्था ऐसा नहीं है जो भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए है। ई टेंडरिंग के माध्यम से बहुत से भ्रष्टाचार जैसे फरीदाबाद, पलवल और जगह-जगह पूरे भारत में उजागर हो रहे हैं। ऐसे में सरकार अपना अड़ियल रवैया अपनाए हुए हैं कि ई टेंडरिंग करनी ही करनी है। सरकार सरपंचों की बातों को अनसुनी कर रही है और कोई भी मध्यस्था का रास्ता सरकार नहीं निकाल रही है। बल्कि तानाशाही बर्बरता पूर्ण तरीके से उनके ऊपर लाठी चार्ज करवा रहे हैं। इसकी *आम आदमी पार्टी घोर निंदा करती है भर्त्सना करती है।

## संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

**घरौंडा।** मेन बाजार स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए करनाल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मेन बाजार में सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास आदित्य नामक युवक अपनी दादी के पास रहा करता था। और आदित्य की दादी की करीब 2 सप्ताह पहले मृत्यु हो गई थी आदित्य के माता-पिता की भी काफी समय पहले गुजर चुके थे । परिजनों के अनुसार दादी के गुजर जाने के बाद आदित्य घर में अकेला रहा करता था। और नशे का आदी था। शुक्रवार को शाम करीब 3:30 बजे आदित्य के पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी कि आदित्य फांसी पर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और उन्होंने मामले की जांच करनी शुरू कर दी। मामले की सूचना एफ एस एल टीम को भी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस व फैसल की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। जांच अधिकारी सुभाष चंद्र ने बताया कि मैन बाजार में आदित्य नामक युवक की फांसी पर लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त करने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और कार्रवाई शुरू कर दी है।

## संक्षिप्त समाचार

### दिल्ली में कुत्ते से रेप करने वाला गिरफ्तार, बच्चों से भी कर चुका है कई बार छेड़छाड़

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली से एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। हरि नगर के बाद अब इंद्रपुरी इलाके में एक कुत्ते से रेप का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, यहां जेजे कॉलोनी में एक शख्स ने कुत्ते को हवस का शिकार बनाया। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, इंद्रपुरी जेजे कॉलोनी के बी ब्लॉक में रहने वाले राजेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उनके घर के पास सतीश नामक लड़का रहता है। जो कि नशे का आदी है। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को जब वह शादी समारोह से घर लौटे को उन्हें कुत्ते के रोने की आवाज सुनाई दी। जब वे उस जगह पहुंचे जहां से कुत्ते के रोने की आवाज आ रही थी तो दंग रह गए। उन्होंने देखा कि सतीश एक कुत्ते से रेप कर रहा है। उन्होंने तुरंत उसका वीडियो बनाया। फिर उसी वीडियो को लेकर उन्होंने थाने में दिखाया और रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी सतीश को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि यह शख्स ऐसी हरकत पहले भी कर चुका है। इसी के साथ वह छोटे बच्चों के साथ भी कई बार छेड़छाड़ कर चुका है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। बता दें, हाल ही में हरिनगर स्थित एक पार्क में भी एक शख्स ने फीमेल डॉग को हवस का शिकार बनाया था। जब शख्स फीमेल डॉग से रेप कर रहा था तो किसी ने इसका वीडियो बना लिया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ तो स्थानीय लोगों ने हरि नगर थाने में 25 फरवरी को मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने रविवार यानी 26 फरवरी को धारा 377 /11 और एनिमल एक्ट के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी। वहीं, इससे पहले ऐसा ही मिलता जुलता मामला यूपी के गाजियाबाद जिले से सामने आया था। यहा एक शख्स ने फीमेल डॉग के साथ रेप की घटना को अंजाम दिया था। लेकिन जब शख्स इस घिनौने कृत्य को अंजाम दे रहा था तो उसकी बहू ने इसका वीडियो बना लिया।

### दिल्ली में महिला पत्रकार से छेड़छाड़ का आरोप, उबर ऑटो ड्राइवर पर एफआईआर दर्ज

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने दक्षिणपूर्वी दिल्ली में यात्रा के दौरान एक महिला पत्रकार का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 24 वर्षीय उबर ऑटो ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, भारत नगर निवासी पत्रकार ने गुरुवार रात न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने में शिकायत दर्ज करायी। पुलिस के मुताबिक, महिला ने ट्विटर पर जानकारी देते हुए बताया कि ड्राइवर विनोद कुमार यादव साइड के मिरर से उनके ब्रेस्ट को घूर रहा था। इसके चलते वह दूसरी तरफ शिफ्ट होकर बैठ गईं। फिर ड्राइवर उन्हें दूसरी साइड के मिरर से घूरने लगा। जब वहां से फिर हटीं तो ड्राइवर उन्हें पीछे मुड़कर बार-बार देखने लगा। घटना बुधवार शाम करीब 4.40 बजे की है। इसकी जानकारी अब सामने आई है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पूर्व) राजेश देव ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 509 (शब्द, इशारा या किसी महिला की मर्यादा का अपमान करने का इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू की गई है। दिल्ली महिला आयोग ने इस मामले में पुलिस और कैब एग्रीगेटर फर्म को नोटिस जारी किया है। महिला पैनल ने 6 मार्च तक कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। उबर को दिए अपने नोटिस में पैनल ने कहा है कि दोबारा ऐसी घटना न हो इसको सुनिश्चित किया जाए और आरोपी ऑटो चालक का पुलिस द्वारा सत्यापन किया गया था या नहीं इसकी भी रिपोर्ट मांगी गई है।

### दिल्ली में हत्या की सनसनीखेज वारदात, बेड में मिली किन्नर की लाश

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** सेंट्रल दिल्ली के नबी करीम इलाके में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक किन्नर की उसके ही घर में लाश मिली है। वो 28 फरवरी से लापता थी। पुलिस को शक है कि 28 फरवरी को ही उसकी हत्या कर दी गई थी और लाश को बेड में छिपाने के बाद कातिल ने घर को लॉक कर दिया था। गौरतलब है कि गुरुवार को नबी करीम बस्ती निवासी लीची किन्नर (50 साल) की गुमशुदगी की रिपोर्ट किन्नर बबिता ने दर्ज कराई थी। उसने कहा था कि लीची 28 फरवरी से लापता है। काफी खोजबीन करने के बाद भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे बबीता ने पुलिस को बताया कि लापता किन्नर के घर में ताला लगा हुआ है लेकिन अंदर से बदबू आ रही है। इस पर नबी करीम थानाध्यक्ष टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ताला तोड़कर कमरे में प्रवेश किया। शक होने पर पुलिस ने बेड खोला तो देखा कि किन्नर लीची का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा था। उसके शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं पाया गया।

# पीएम मोदी पर केजरीवाल का वार- कहा गिरफ्तार करा लेते हैं, पार्टी तोड़ देते हैं, सरकार गिरा देते हैं,

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** विपक्षी दलों के नौ नेताओं ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। इसे लेकर अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की भी प्रतिक्रिया आई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि इस समय देश के प्रधानमंत्री की कार्यशैली कुछ इस तरह की हो गई है कि देश के किसी भी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के अलावा किसी अन्य पार्टी की सरकार हो तो उसे ठीक से काम नहीं करने दिया जाता है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह बहुत ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसी भी देश के फादर फिगर की तरह होते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि चुनाव में हम आपस में लड़ें लेकिन चुनाव के बाद किसी की भी सरकार बन जाती है तो उसका सहयोग करने और साथ मिलकर काम करने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की होती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने ठान लिया है कि अगर बीजेपी को वोट नहीं दोगे और किसी दूसरी पार्टी को वोट दोगे। तो उस सरकार को किसी भी हाल में काम नहीं करने दिया जाएगा। केजरीवाल ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। विपक्षी दलों के नौ नेताओं ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। इसे लेकर अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की भी प्रतिक्रिया आई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि इस समय देश के प्रधानमंत्री की कार्यशैली कुछ इस तरह की हो गई है कि देश के किसी भी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के अलावा किसी अन्य पार्टी की सरकार हो तो उसे ठीक से काम नहीं करने दिया जाता है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह बहुत ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसी भी देश के फादर फिगर की तरह होते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि चुनाव में हम आपस में लड़ें लेकिन चुनाव के बाद किसी की भी सरकार बन जाती है तो उसका सहयोग करने और साथ मिलकर काम करने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की होती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने ठान लिया है कि अगर बीजेपी को वोट नहीं दोगे और किसी दूसरी पार्टी को वोट दोगे। तो उस सरकार को किसी भी हाल में काम नहीं करने दिया जाएगा।

#### ईडी-सीबीआई से नेताओं को डराया जा रहा

● दिल्ली के मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि ईडी और सीबीआई छोड़कर नेताओं को डराया जाता है। अगर वही नेता बीजेपी में शामिल हो जाए तो सारे मामले बंद हो जाते हैं। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री का उदाहरण दिया और कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ सीबीआई और ईडी ने कई मामले दर्ज किए थे। वे सारधा कांड में भी फंसे थे। केजरीवाल ने कहा कि हिमंता जैसे ही बीजेपी में आए, उनके खिलाफ सारे मामले खत्म कर दिए गए। उन्होंने कहा कि या तो हिमंता पहले ही निर्दोष थे और नहीं तो वे बीजेपी में जैसे ही आए, सभी दोष से मुक्त हो गए। अरविंद केजरीवाल ने शुभेंदु अधिकारी, मुकुल रॉय, नारायण राणे का भी उदाहरण दिया। उन्होंने महाराष्ट्र के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी से जितने विधायक तोड़े गए, कहा जाता है कि उनके खिलाफ ईडी और सीबीआई के मामले चल रहे थे। अब उन मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

#### सरकारें गिराने के लिए हो रहा सीबीआई-ईडी का इस्तेमाल

● दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए नहीं बल्कि चुनी हुई सरकारें गिराने के लिए किया जा रहा है। विपक्षी पार्टियों को तोड़ने के लिए सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि दिल्ली में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल ने दावा किया कि शुरुआत में इन दोनों नेताओं के पास इन लोगों ने बहुत लोग भेजें कि केजरीवाल का साथ छोड़ दो और बीजेपी में शामिल हो जाओ।

#### बीजेपी में चले जाते तो सिसोदिया पर नहीं होता केस

● उन्होंने कहा कि आज मनीष सिसोदिया मेरा साथ छोड़कर बीजेपी में शामिल हो जाते तो वे जेल में नहीं होते और न उनके खिलाफ किसी तरह का मुकदमा दर्ज होता। केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ दर्ज केस झूठे होने का दावा किया। उन्होंने राज्यपाल और उपराज्यपाल का भी गलत इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया।

# दिल्ली का बजट 21 मार्च को होगा पेश, पहली बार मनीष सिसोदिया की रहेगी गैरमौजूदगी

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार का बजट 21 मार्च को पेश होगा। पहली बार दिल्ली सरकार मनीष सिसोदिया की गैरमौजूदगी में बजट पेश करेगी। बजट इस बार कैलाश गहलोत पेश करेंगे। सरकार ने 17 मार्च से बजट सत्र बुलाया है। बता दें कि गिरफ्तारी से पहले मनीष सिसोदिया ने भी दिल्ली के बजट की तैयारी के लिए सीबीआई से समय मांगा था। केंद्रीय जांच एजेंसी उन्हें काफी पहले ही गिरफ्तार करना चाहती थी, लेकिन सिसोदिया ने एजेंसी से अनुरोध किया था कि उन्हें बजट की तैयारी के लिए समय चाहिए है, इसलिए वह पूछताछ में शामिल नहीं हो पाएंगे। उनके अनुरोध के बाद सीबीआई ने सिसोदिया को बाद में पेश होने की मोहलत दे दी थी। सिसोदिया 26 फरवरी को सीबीआई के सामने पेश हुए थे। 8 घंटे तक चली पूछताछ के बाद उन्हें जांच एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उनके परिवार को इसकी जानकारी दी गई थी। सीबीआई दफ्तर जाने से पहले सिसोदिया ने अपनी मां का आशीर्वाद लिया था। गिरफ्तारी के बाद सिसोदिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। सिसोदिया के इस्तीफे के बाद वित्त मंत्रालय कैलाश गहलोत को दिया गया। इसलिए इस बार का बजट भी कैलाश गहलोत ही पेश करने वाले हैं। उनके पास वित्त, प्लानिंग, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, पॉवर, गृह, यूडी, सिंचाई एंड फ्लड कंट्रोल, जल मंत्रालय भी है। सिसोदिया के अलावा मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद राजकुमार आनंद को शिक्षा, लैंड एंड बिल्डिंग, विजिलेंस, सर्विसेस, पर्यटन, कला संस्कृति और भाषा, लेबर, रोजगार, स्वास्थ्य, इंडस्ट्रीस मंत्रालय दिया गया था। अभी के लिए मनीष सिसोदिया के 10 मंत्रालय राज कुमार आनंद संभालने जा रहे हैं तो आठ कैलाश गहलोत के पास गए हैं।

### कुतुबमीनार मेट्रो स्टेशन के पास एनकाउंटर में दबोचा गैंगस्टर कात्या, यूट्यूब पर वीडियो अपलोड कर फैलाता था दहशत

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने शनिवार-रविवार की रात को हुई मुठभेड़ के बाद हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर नीरज उर्फ कात्या को दबोच लिया। आरोपी पर हत्या के तकरीबन 5 मामलों समेत, रंगदारी, हत्या की कोशिश, लूट के दर्जन भर केस दर्ज हैं। स्पेशल सेल सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाश नीरज उर्फ कात्या हरियाणा के झज्जर जिले का रहने वाला है। जानकारी मिली थी कि दिल्ली के कुतुबमीनार इलाके में कात्या किसी वारदात की प्लानिंग के लिए अपने सहयोगियों से मिलने आने वाला है। इनपुट मिलने पर पुलिस की तरफ से ट्रैप लगाया गया और जैसे ही स्पेशल सेल की टीम ने गैंगस्टर को घेरा तो उसने पुलिस टीम फायरिंग कर शुरू कर दी। जवाब में स्पेशल सेल ने भी फायरिंग की। इसके बाद पूरी तरह से घिर चुके गैंगस्टर ने पुलिस टीम के सामने सरेंडर कर दिया और टीम ने उसे दबोच लिया। स्पेशल सेल की टीम के मुताबिक, नीरज और उसके गुर्गे दहशत फैलाने के लिए Youtube का सहारा लेते थे। पहले यह गैंगस्टर किसी वारदात को अंजाम देते थे और फिर उसका वीडियो यूट्यूब पर अपलोड कर देते थे। इन वीडियो में नीरज को अलग अलग हथियारों के साथ दिखाया जाता है। एक वीडियो में नीरज की फोटो पंजाबी गायक सिद्धू मुसावाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ भी है। फिलहाल गिरफ्तार नीरज से स्पेशल सेल की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

### बोर्ड परीक्षार्थियों पर अज्ञात शख्स कर रहे हमला, दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया मामला

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली के पालम इलाके में 12वीं की बोर्ड परीक्षा देने आए छात्रों पर हमले का मामला सामने आया है। छात्रों और उनके अभिभावकों का आरोप है कि 12वीं क्लास के छात्र बोर्ड परीक्षा देने के लिए पालम स्थित सरकारी स्कूल में आए थे, जहां परीक्षा के बाद स्कूल से बाहर निकलने पर कुछ बाइक सवार अज्ञात युवकों द्वारा छात्रों पर हमला किया गया। वहीं, उनके साथ कुछ अन्य बालिग और नाबालिग बच्चों ने ईंट पत्थर और लाठियों से हमला किया। बताया जा रहा है कि यह वारदात हर एक परीक्षा के दिन छात्रों के साथ हो रही है। ऐसे में छात्रों ने अपनी सुरक्षा को लेकर पीसीआर कॉल की और बाद में छात्र व उनके अभिभावकों ने थाने पहुंचकर जमकर हंगामा भी किया। छात्रों की शिकायत पर स्थानीय निगम पार्षद भी थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से बात की। छात्रों और उनके अभिभावकों की शिकायत पर स्कूल प्रशासन ने भी पालम थाने में लिखित शिकायत दी है। जानकारी के मुताबिक, सागरपुर स्थित सरकारी स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्रों का बोर्ड परीक्षा सेंटर पालम के सरकारी स्कूल में पड़ा है। इसके चलते 12वीं क्लास के छात्र पालम के सरकारी स्कूल में 12वीं की परीक्षा देने आए थे और जब वह परीक्षा देकर स्कूल से बाहर निकले तभी उन पर अज्ञात लोगों द्वारा ईंट, पत्थरों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। छात्रों का आरोप है कि हमला करने वाले लोग उन्हीं छात्रों पर हमला कर रहे थे जो परीक्षा देकर स्कूल से बाहर निकल रहे थे। ऐसे में जो छात्र पैदल व ई रिक्शा पर जा रहे थे, उनको पकड़कर अज्ञात लोगों ने जमकर पीटा। कई छात्रों को गंभीर चोटें भी आई हैं। वहीं, छात्रों का कहना है कि पहली परीक्षा के समय उन्हें किसी आपसी झगड़े का अंदेशा हुआ जिसकी वजह से उन्होंने शिकायत नहीं की। लेकिन जब यह घटना हर एक परीक्षा के बाद होने लगी तो उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रशासन व पुलिस से गुहार लगाई। फिलहाल छात्रों पर होने वाले हमलों के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। वहीं, पालम थाना पुलिस ने स्कूल प्रशासन व छात्रों की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। साथ ही स्कूल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी पुलिस कंगाल कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

### इंतजार हुआ खत्म! आज से खुलने जा रहा है- आश्रम फ्लाईओवर, मिलेंगे यह लाभ

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली कैबिनेट की मंजूरी के बाद दिसंबर 2019 में आश्रम फ्लाईओवर एक्सटेंशन के निर्माण को मंजूरी मिली थी लेकिन 2020 के बाद से अनुकूल परिस्थिति नहीं होने के कारण यह काम पूरा नहीं हो पाया था लेकिन अब इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण पर है। इसका लगभग 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और बाकी का 6 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 6 मार्च 2023 को आश्रम फ्लाईओवर एक्सटेंशन का उद्घाटन कर सकते हैं। कैबिनेट की मंजूरी के बाद जून 2020 में फ्लाईओवर का काम शुरू हुआ था। इस फ्लाईओवर से हजारों लोगों को लाभ होगा। बता दें, कि इस आवागमन परियोजना की कुल लागत 128.25 करोड़ रुपए है इसके अलावा रैंप के साथ इस फ्लाईओवर की लंबाई 1,425 मीटर है। जिससे दिल्ली और नोएडा के बीच आवागमन को सुलभ बनाया जा सकेगा। दिल्ली और नोएडा जैसे शहरों में सबसे अधिक कामकाजी लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। जिससे भारी जाम की स्थिति देखने को मिलती है लेकिन इस फ्लाईओवर के निर्माण से दोनों शहरों के बीच की दूरी को कम किया जा सकेगा। फिलहाल, नोएडा और गाजियाबाद से दक्षिणी दिल्ली आने- जाने वाले लोगों को डीएनडी लूप से लेकर आश्रम चौराहे तक भारी जाम का सामना करना पड़ता है लेकिन अब यात्री आश्रम चौक और डीएनडी के बीच तीन ट्रैफिक लाइटों को बाईपास करके जा सकते है।

### टीचरों को फिनलैंड भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी, फिर एलजी से खफा क्यों है दिल्ली सरकार?

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार के फिनलैंड शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को एलजी वीके सक्सेना ने शनिवार को मंजूदी दे दी। साथ ही शिक्षकों की संख्या 52 से बढ़ाकर 87 कर दी गई है। मगर, दिल्ली सरकार ने एलजी के फैसले को संविधान और सुप्रीम कोर्ट के साथ धोखाधड़ी बताते हुए बयान जारी किया है। सरकार ने कहा कि एलजी ने एक छोटे तानाशाह की तरह काम किया है। एलजी द्वारा फिनलैंड शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के संशोधित प्रस्ताव को चार महीने बाद वापस करने पर दिल्ली सरकार ने हमला बोला है। क्योंकि दिसंबर 2022 और मार्च 2023 में यह प्रशिक्षण आयोजित होने थे, लेकिन अब यह प्रस्ताव निरर्थक हो गया है।

केजरीवाल सरकार के मुताबिक, फिनलैंड शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए फाइल पहली बार 25 अक्टूबर 2022 को एलजी कार्यालय में भेजी गई थी, ताकि वह इस बात पर विचार कर सकें और इसे 15 दिनों के भीतर भारत के राष्ट्रपति के पास भेज सकें। मगर, नियमों का उल्लंघन करते हुए एलजी ने तीन आपत्तियां जताते हुए 10 नवंबर 2022 को फाइल दिल्ली के मुख्य सचिव को लौटा दी। शिक्षक प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों की देखने वाली संस्था एससीईआरटी ने उन बिंदुओं को स्पष्ट किया और 14 दिसंबर 2022 को एलजी को फाइल फिर से सौंपी। इसके बाद, एलजी ने दो और स्पष्टीकरण मांगते हुए 9 जनवरी 2023 को फाइल सीएम को वापस कर दी। तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 20 जनवरी 2023 को सीएम के माध्यम से एलजी को विस्तृत जवाब भेजा।

# सरकारी स्कूल के गेट पर 'I Love Manish Sisodia' के लगाए पोस्टर, NCPCR के आदेश पर केस दर्ज

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के समर्थन में दिल्ली के सरकारी स्कूल के गेट पर पोस्टर लगाने के मामले में केस दर्ज हो गया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की समन्वयक के खिलाफ यह केस दर्ज किया है। इस मामले को संज्ञान लेते हुए नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) ने दिल्ली पुलिस को केस दर्ज करने का आदेश दिया था। पुलिस ने गजाला के खिलाफ दिल्ली सार्वजनिक संपत्ति विरूपण अधिनियम की धारा-3 यानी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का केस दर्ज किया गया है। मालूम हो कि बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने भी शिकायत की थी कि स्कूल के बाहर स्टॉल लगाकर बच्चों से सिसोदिया के समर्थन में पोस्टर बनवाए जा रहे हैं। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा है कि स्कूली बच्चों उपयोग एक आरोपी को बचाने में किया जा रहा है। बच्चों के कोमल मन मस्तिष्क में अपराधियों के महिमामंडन का गलत प्रभाव पड़ेगा। एफआईआर में कहा गया कि दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में शुक्रवार सुबह सर्वोदय कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल गीता रानी के साथ मिलकर एसएमसी समन्वयक गजाला ने पोस्टर लगवाए। उन्होंने छात्राओं से स्कूल के गेट पर एक डेस्क पर चढ़कर पोस्टर लगाने के लिए कहा। स्कूल भवन की प्रभारी प्रिंसिपल ने स्कूल से डेस्क दीं, जिनका इस्तेमाल सिसोदिया के समर्थन वाले पोस्टर लगाने के लिए किया गया। गजाला पर आरोप है कि राजनैतिक फायदा लेने के लिए छात्राओं को स्कूल के बाहर बैठाया और स्कूल गेट पर आई लव मनीष सिसोदिया के बैनर पोस्टर लगवाए। सीबीआई ने सिसोदिया को 26 फरवरी को आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। 27 फरवरी को कोर्ट ने उन्हें 5 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति घोटाले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया की सीबीआई रिमांड शनिवार को दो दिन के लिए बढ़ा दी। सिसोदिया की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी। मनीष सिसोदिया ने राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि सीबीआई हिरासत में उनका मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। सीबीआई रोज उनसे 8 से 9 घंटे तक पूछताछ करती है और एक ही सवाल को कई बार दोहराया जाता है। सिसोदिया ने कहा कि उन्हें थर्ड डिग्री की तहत टार्चर किया जा रहा है।

# Tips to soothe your scalp This Summer

The beginning of the summer solstice spikes heatwaves, bringing forth numerous hair and skin issues every year. Commonly an itchy and dry scalp, rashes on the face and an unwanted tan is the irritating factor for everyone.

Aside from regular cleansing with a mild shampoo, sun protection methods like covering the head with scarves and avoiding going out in the afternoons, to religiously massaging are a few steps that can provide for a healthy scalp, say the Indic sciences.

It is vital to protect the scalp from excessive dryness. While too much exposure to sun will swamp the scalp with accumulation of dust and dirt due to excessive sweating, several other issues could include fungal infections, dermatitis, itchy scalp and most commonly, dandruff. This will finally lead to hair loss, weak and dry hair and split ends.

The only way to control this issue is to focus on keeping the scalp dry and clean. Here are some easy ways to keep your scalp clean this summer, courtesy Radhika Iyer Talati, Founder of Beauty By Anahata, an entrepreneur, philanthropist, mountaineer & yogini.Use a mild natural shampoo:

Conventional shampoos are more likely to expose your hair to harsh chemical ingredients that can harm your scalp and hair with terrible long-term effects. Using natural shampoos can help hair feel softer and smoother while enhancing its natural lustre from within.

Wash your hair at least thrice a week:

Never compromise in washing your hair every alternate days during summer. This is a sure shot way to keep your scalp clean in summer. Due to excessive sweating, the accumulation of dirt on the scalp will eventually harm your hair. Washing the scalp with regular water will clean your scalp and keep your hair fresh and shiny. Also it's best to allow your hair to dry naturally.

- **Get a good old 'Champi':**

Indulge in an oil massage routine regularly. This will help your hair and scalp relax and rejuvenate on hot summers days. Warm some coconut oil and massage the scalp in a clockwise and anti clockwise direction for about 10 mins. Best if you left it overnight.

- **Drink loads of liquids / water:**

Hydrate, it can do magic to your scalp and hair. It is important to keep your scalp cool so be sure to drink a minimum of eight glasses of water a day. Consume a lot of sugarcane juice as well as citrus juices in the mornings and afternoons.

- **Avoid styling products:**

Too frequent a use of styling products can not only harm hair, but also damage scalp. It is highly recommended that you do not go for any styling treatments on your hair during summers.

- **Eat healthy meals:**

It is absolutely necessary to mind what you eat. Because it will be of no use to manage your hair and scalp care externally, when internally your food habits are damaging the quality of your hair. It is important to follow a well-balanced diet. Try to include more omega-3, plenty of grains, millets and lentils in your day to day intake. Learn to keep dinners early and quantities minimum. Make sure to include fibrous food that will give more protein and iron to the body. It's advisable to go on a liquid diet once a week to keep your digestion strong.

- **Practice regular exercise and deep abdominal breathing:**

Keeping physically fit will automatically keep your mind fit. Digestion will improve because of better blood circulation and that in return will keep your stress levels low which in turn will give you this amazing internal radiance. Your skin and hair will shine and you will experience an efficient and fulfilling day, each day. Practicing Anulom- Vilom Pranayama for at least 10 minutes a day, is guaranteed to calm down your nerves and activate blood circulation all over the body. Asanas such as sarvangasana and shirshasana will reverse your age and uplift your mood instantly. So go ahead and practice these simple tips to have a great scalp. Remember that everything natural will rule this summer! Take out a few disciplined minutes every day to create a hair routine. And once you have put in that effort, it is time to embrace that beautiful, loose, natural mane of yours.

# Trend alert! It's time to bare your midriff ladies

Forget risque plunging necklines or thigh-high slit, 2021's hottest red carpet trend is going to be midriff-baring dresses and gowns. This year's Oscars has been a testament to the fact cutout dresses will be a hit. Be it Carey Mulligan, Zendaya, Andra Day or Vanessa Kirby, all these divas flaunted their toned abs in midriff-baring gowns and dresses at this year's Academy Awards. The upcoming award shows are going to see more of these cutout dresses. It would be safe to say that midriff-baring dresses are the new thigh-high slits on the red carpet. A decade ago, it was the battle of thigh-high slits during award shows, and divas used to leave no stone unturned in showing off their pins. We can't forget Angelina Jolie's iconic black Atelier Versace gown where she flaunted her toned legs with a thigh-high slit. The look went down in history and so many women have tried to recreate the magic which Angeline created on the Oscars red carpet in 2012. That trend became a rage and it still is. But it seems midriff-baring gowns are going to be the order of the day.

Midriff-baring dresses are already a hit among the millennials and Gen Zs. High street brands are selling them like hotcakes. Last season's runway shows had abundant belly-revealing outfits and crop tops.

# What you should do in situations your husband chooses his family over you

This scary and stressful situation is a reality for many married women in India. In most Indian families, especially in joint ones, sons are expected to be there and fulfil every need of their parents, even if it means prioritising them more than their wife. And so, it remains a constant battle for a married woman to get her husband's attention over the in-laws. In account of this, we bring to you some useful pieces of advice you can take heed of when your husband choose his family over you. Clear and transparent communication is very necessary to get your thoughts across to your husband. If your husband spends time with his parents straight after coming home from work, keeps chatting with them for hours and then heads off to sleep without spending time with you, then it's a concern. Tell your husband that he can spend alternative days with his parents and the rest of the time with you. Mention the necessity of keeping a marital bond intact.

Does your husband provide a large part of his income to his parents and family that leaves you and the kids struggling at the end of the month? If yes, then chalk out a balanced budget with your husband while voicing out your concern in a very subtle manner. Ask him to ensure that his parents don't overspend a lot, the same way you maintain a strict budget. It's no surprise when relatives come knocking at your door any time of the week. It's pretty adjustable once or twice a week, but when it becomes a frequent affair, it can be a burden on you. Your husband may even be pretty cheery when relatives come, but he can also be oblivious about you getting stressed attending to the entourage. In such instances, ask your husband to limit such visits to the weekend only or you can also attend to your own schedule without having to heart taunts about it.

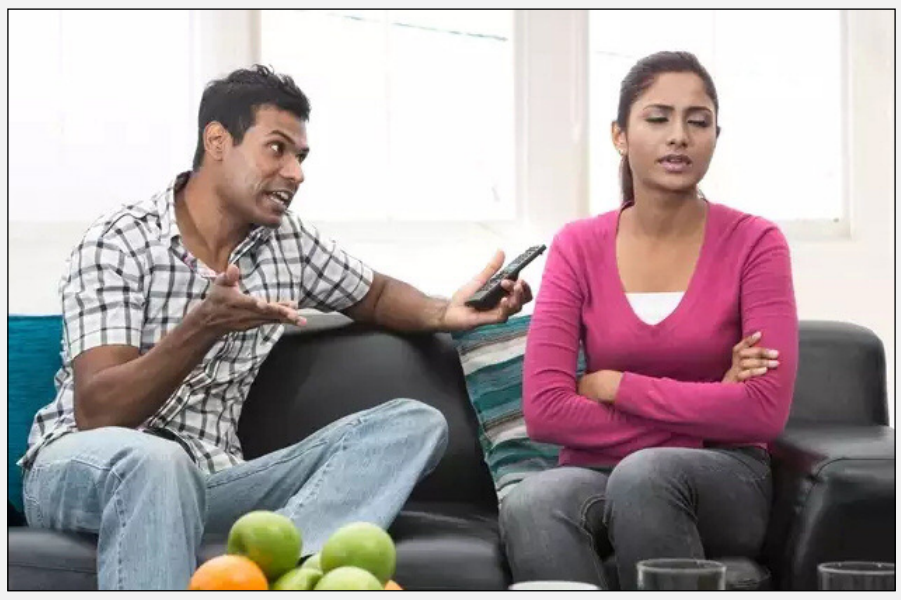

Indian mothers-in-law are said to be pretty possessive about their sons and so, at times they cause unnecessary fights and arguments with their daughter-in-law. In such instances, the husband is also reduced to fighting against his wife, in favour of his mother. This can cause a lot of trust issues and distress in the marriage. Hence, the only solution here is to be firm about your stance and ask your husband to equally respond to both sides of the argument. If he continues to only support his mother, tell him that it's going to be a huge problem in the upcoming future. If you see that your husband is prioritising his family and spending time with them more, then you can also start doing the same. Start visiting your parents more often and spend more time with them, just as your husband does. Send an equal amount of money to your parents and start visiting your cousins more, just as your husband does. This way he should be able to understand his faults and then, in turn, you both can set some healthy boundaries in the marriage.

# Contracted Covid after the 1st jab? Don't skip 2nd after cure

If you have received the first dose of Covid-19 vaccine but got infected with the novel coronavirus, there is no need to worry about the status of your vaccination as you can go for the second dose soon after recovery. According to medical experts, the prescribed number of vaccine doses should be taken and no one should skip it without expert advice. "If someone contracts infection after the first vaccine shot, the person should wait till recovery and get the second dose after it," said head of SGPGI's microbiology department Prof Ujjala Ghoshal."The infection will leave a person with some antibodies but it is still not known for how long natural immunity lasts. The full dose of vaccine will provide better antibodies against the disease and its severity," she said. Prof Ghoshal said it was imperative to take the same vaccine (Covaxin or Covishield) for both the doses and mixing of the two should not be done. "The gap between the two doses is to be 8-12 weeks but if one is recovering from an illness, or has missed the appointment for second dose, one should not panic and take the second shot at the earliest," said Prof Ghoshal. "According to the World Health Organization (WHO), even if a person had Covid-19 in the past, he or she should be vaccinated when it is available," she added.

# Mask up even inside your homes: Govt tells citizens

As a second wave of the coronavirus pandemic rips through the country, the government on Monday said it is time people start wearing masks inside their homes as well, and refrain from inviting guests. Addressing a press conference here, NITI Aayog member (Health) Dr V K Paul said if there is a COVID-positive person inside the house, he or she must wear the mask so as to prevent other family members from getting infected. "Rather, I'll say that the time has come that we start wearing masks even otherwise inside our homes. We used to talk about wearing it outside homes, but the way the infection has spread, it will be better if we wear mask inside our homes if we are sitting with someone," he said. "But, definitely, if there is a COVID-19 positive person, that person must wear the mask and others inside the house also must wear a mask and the positive person should be kept in a different room," Paul underlined.

He added that people should also avoid stepping out of their home unnecessarily and not invite guests at home. He also suggested if the house lacks such facilities for isolation, then people may go to isolation centres, known as corona care centres. Getting admitted to a hospital is not the only option, Paul said. "Hospital beds are used for the needy people." Highlighting the importance of vaccination, Paul said, "We cannot let the pace of COVID-19 vaccination decline or slacken in the face of the emerging situation. In fact, it should be escalated and with that intent the government of India brought a revised (vaccination) policy. We believe and are confident that will bring in more acceleration," he said. AIIMS Director Dr Randeep Guleria, who also addressed the press conference, sought greater community participation to ensure optimal utilisation of hospital facilities. "We see now there is unnecessary panic among people which is causing more harm than good. Those who test positive even if their oxygen saturation levels are normal and have mild symptoms, they also want to get admitted.

"It is causing a lot of rush outside hospitals and suffering to genuine patients as they do not get proper treatment. Also, hoarding of drugs at homes is causing unnecessary shortage of essential drugs in markets and also leads to misuse of drugs," he said. Underlining the importance of oxygen in the treatment strategy for COVID-19 patients, Dr Guleria said its misuse must be avoided. There should be judicious use of oxygen therapy, he said, adding, hospital authorities should make sure there is no leakage of oxygen at their facilities, and also advised proning to increase oxygen levels in the body. On the increasing demands for Remdesivir, Dr Guleria said benefits of this drug in treating COVID-19 patients are not well established. The drug has not shown mortality benefits, it is wrong to think of it as a magic bullet, he said. It is only useful in moderate to severe cases on the 5th to 7th day, he said, adding there is no benefit in early phases, and taking it on first and second day may even cause side-effects. In this disease, 85 per cent people will have mild illness and they will get well with symptomatic treatment like fever medication or steam just like normal common cold, he said. With 3,52,991 people testing positive for coronavirus infection in a day, the highest so far, India's total tally of COVID-19 cases has climbed to 1,73,13,163 while active cases have crossed the 28-lakh mark, according to the Union Health Ministry data updated on Monday.

# Ways to make your home safe and natural for your child

Yet again, coronavirus has wreaked havoc in our lives. The pandemic and the resultant lockdown has made us all realise the significance of safety and security we find in our homes. Right now, staying at home is the primary way to remain safe from contracting the virus.

But just like the outer world, our homes have been taken over by plastic and are a hotbed of chemicals and toxic substances that are passed by as daily used items. While raising our kids, we all try to keep the home safe and clean but often overlook small little things that are harmful to the child, leading to slow damage starting at a very young age. Here are four ways parents can ensure to keep the house safe for their kids.

**Feeding bottles**

We all know there is no alternative to breastfeeding. However, not all moms are able to breastfeed their babies, which is why bottle-feeders were invented. While food-grade plastic feeding bottles are safe to be used. But there are ways in which microplastics, over time, leeches into the milk and enters the baby's system. Consistent use of plastic bottles degrades the quality, making it hazardous for children. It's best to replace the plastic bottle with natural options like glass or metal feeding bottles. These will help eliminate any toxic or synthetic substances while being durable at the same time. Steel bottles can also be used.

**Diapers**

Diapers are one of the most widely used baby products across the world. Diapers make it easy for the parents as well as the baby. They help in keeping the

baby clean dry and letting them sleep and play with ease. However, the natural synthetic fibres, which combines bits of microplastic and synthetic fabric can cause irritation and allergy to a baby's sensitive skin. Regular use of synthetic diapers can cause skin rashes, toxicity and increase the chances of infections.

Not just this, diapers also contribute to non-degradable waste. Thus, it's best to replace diapers with sustainable options like cloth diapers that are safe, natural and non-allergic.

**Toys**

Playtime is important for kids as it helps in developing their motor, cognitive and sensory skills. Later on, all this aids in developing interpersonal and social skills.

From touching, chewing, tasting, cuddling and throwing around, toys are used for various functions. A toy is an object that is thoroughly explored by the child. Thus, the material of the toy should be safe and free from chemicals for the safety of the child. You can use natural toys made from wood, fabric and clothes to offer a much safer and more enriching experience to children.

समस्त देशवासियों को
होली पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं
वीना वशिष्ठ
aap
AAM AADMI PARTY
पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेत्री: आम आदमी पार्टी ( दक्षिण हरियाणा जोन )


समस्त देशवासियों को
होली पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं
महेंद्र शर्मा
रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन
सैक्टर, 21 सी फ़रीदाबाद, हरियाणा


HAPPY
HOLI
SNP
Holistic Eternal health &
beauty Grooming center
With DAD Formula
Dr. Hemlata Sharma
Contact us :
91 98107 16019 | 91 99993 56147
Address : Kothi number 557 Sector 21 B Faridabad (Haryana )


समस्त देशवासियों को
होली पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं
धर्मवीर त्यागी
चेयरमैन, जन अधिकार संघ ( रजि).


The Trusted Name
Since 1994
HOLI
Happy
Rajender Saini
Director
UNIQUE ENTERPRISES
The Electronics Store
LG
Panasonic
SAMSUNG
Whirlpool
A-51/6, Opp. M.C.I.E., Aali Extn., Mathura Road,
Badarpur, New Delhi-110044
MOBILE : 9811193502
E-mail: uniqueenterprises94@gmail.com


BA
Rameshwar Bansal
Happy
HOLI
Bright Associates
Shop No. 115, Sector-16 Mkt, Near IDBI Bank,
Faridabad-121002 (Haryana)
Ph: (0) 0129-2286902, (R) 2286901
Mob.: 9811074799


SAY COMPUTERS
wish you a very
Happy
Holi
A CORPORATE DEALER
A COMPLETE IT SOLUTION
Prabhaker Shukla
Cell: +91-9350581529
+91-8510012614-15
37, Vikas Complex, Basement, Veer Savarkar Block,
Main Vikas, Marg, Shakarpur, Delhi - 110092
Tel. No.: 011-30255079
E-mail: pshukla 1904@gmail.com | E-mail: prabhakershukla@saycomputers.com
hp
invent
DELL
SONY
SAMSUNG


Wish You a Very HAPPY HOLI
Asolear® Education
Quality Concept Mental Arithmetic System International Programme
गुणवत्ता अवधारणा मानसिक अंकगणितीय प्रणाली अंतराष्ट्रीय कार्यक्रम
Asolear Education
QC MAS
QC MAS®
Quality Care Mind Adventure Space
Kids Day Care
Watch & Find Us On :
YouTube